About the Book

इस किताब को अग्रवाल एग्जामकार्ट के विशेषज्ञों की टीम ने तैयार किया है। इस पुस्तक को लाने में हमारी टीम ने बहुत मेहनत की है। टीम ने पिछले वर्षों के प्रामाणिक प्रश्नपत्रों को एकत्र किया, अलग-अलग प्रश्नों को विषयवार और टॉपिकवार किया और उनके आधार पर विशेषज्ञों ने प्रश्न कोश तैयार किया तथा फिर प्रत्येक प्रश्न का विस्तृत हल प्रदान किया। इस पुस्तक के हल उन विशेषज्ञों द्वारा लिखे गए हैं जिनके पास विशाल शिक्षण अनुभव और छात्रों के चयन का सराहनीय ट्रैक रिकॉर्ड है। यही कारण है कि प्रत्येक समाधान व्यापक, सटीक और समझने में आसान है। कई बार इन प्रश्नों को समान प्रारूपों में दोहराया जाता है और इसलिए इन महत्वपूर्ण प्रश्नों को हल करने से निश्चित रूप से आपको अपनी परीक्षा की तैयारी करने और अच्छे अंक प्राप्त करने में मदद मिलेगी।

अन्य महत्वपूर्ण पुस्तकें

Buy books at great discounts on: www.examcart.in | www.amazon.in/examcart |

AGRAWAL EXAMCART
Paper Pakka Fasega!

CB1443

अग्निवीर Question Bank
(सामान्य जागरूकता)
ISBN - 978-93-5703-467-8
₹ 349

अग्निवीर Question Bank (सामान्य जागरूकता)

AGRAWAL EXAMCART

CONQUER DEFENCE

AGRAWAL EXAMCART
Paper Pakka Fasega!

अग्निवीर

सभी गैर तकनीकी भर्ती परीक्षाओं के लिए

Indian Army
Clerk/SKT | General Duty | Tradesman

Indian Navy
Coast Guard | SSR | MR/NMR

Indian Airforce
AFCAT | Y Group | Group C

सामान्य जागरूकता
QUESTION BANK

3700+

अग्निवीर परीक्षा के सबसे सटीक एवं महत्वपूर्ण प्रश्नों का संग्रह !

इन बेहतरीन प्रश्नों का अभ्यास करायेगा प्रथम प्रयास में परीक्षा पास!

Code	Price	Pages	ISBN
CB1443	₹349	354	978-93-5703-467-8

विषय सूची

पृष्ठ संख्या

Appendix

⊙ **Agrawal Examcart Help Centre** **v**

⊙ समसामयिकी (करंट अफेयर्स) **vi**

[अगले पृष्ठ पर दिये गये **Student's Corner** में **QR Code/Link** के माध्यम से **Free PDF** को **Download** करें]

⊙ **Syllabus & Exam Pattern** **vii**

सामान्य जागरूकता **1-354**

1. प्राचीन भारत का इतिहास **1–17**

2. मध्यकालीन भारत का इतिहास **18–30**

3. आधुनिक भारत का इतिहास **31–60**

4. कला एवं संस्कृति **61–71**

5. भारत का भूगोल **72–109**

6. विश्व का भूगोल **110–150**

7. भारतीय राज्यव्यवस्था एवं संविधान **151–187**

8. भौतिक विज्ञान **188–233**

9. रसायन विज्ञान **234–254**

10. जीव विज्ञान **255–314**

11. विज्ञान और प्रौद्योगिकी **315–318**

12. कम्प्यूटर **319–326**

13. सामान्य ज्ञान **327–354**

Syllabus & Exam Pattern

"Agrawal Examcart के विशेषज्ञों द्वारा इस Question Bank में नीचे दी गई सभी भर्तियों के पाठ्यक्रम को देखते हुए उचित प्रश्नों का चयन किया गया है।"

सेना का नाम	भर्ती का नाम
वायु सेना	AFCAT
	गैर-विज्ञान विषय
	ग्रुप C
थल सेना	ट्रेड्स मैन
	जनरल ड्यूटी
	क्लर्क/स्टोर कीपर
जल सेना	सीनियर सेकण्डरी रिक्रूट (SSR)
	मैट्रिक रिक्रूट/नॉन मैट्रिक रिक्रूट (MR/NMR)
	नाविक तट रक्षक

Agniveer परीक्षा से संबंधित सम्पूर्ण एवं up-to-date जानकारी

सभी भर्तियों के Detailed पाठ्यक्रम, Cut-off, Eligibility Criteria और अन्य को सरल तरीके से जानने के लिए नीचे दिए गए QR Code को Scan करें।

अध्याय

1

प्राचीन भारत का इतिहास

1. धातु की प्लेटें और पाषाण लेखन को किस नाम से जाना जाता है?
(A) अभिलेख
(B) ताँबे की प्लेटें
(C) पत्थर के शिलालेख
(D) भोजपत्र

2. प्राचीन भारत में पत्थर के औजार बनाने के लिए निम्नलिखित में से किस तकनीक का उपयोग किया जाता था?
(A) स्टेप फ्लैकिंग (B) बाइपोलर
(C) पीकिंग (D) प्रेशर फ्लैकिंग

3. निम्नलिखित में से कौन–सा शब्द बड़े पत्थरों से निर्मित या उनसे युक्त स्मारकों से संबंधित है?
(A) महापाषाण काल (B) ताम्रपाषाण काल
(C) पुरापाषाण काल (D) मध्यपाषाण काल

4. आदिचनल्लूर पुरातात्विक स्थल...........राज्य में स्थित है।
(A) आंध्र प्रदेश (B) केरल
(C) कर्नाटक (D) तमिलनाडु

5. निम्नखित में से कौन-सा पुरातात्विक स्थल वर्तमान भारत में स्थित नहीं है?
(A) हल्लुर (B) महागढ़ा
(C) मेहरगढ़ (D) चिरौंद

6. प्राचीन लोथल नगर किस राज्य में स्थित है?
(A) गुजरात (B) पंजाब
(C) हरियाणा (D) उड़ीसा

7. प्राचीन भारत में मोटे अनाजों की कृषि के साक्ष्य निम्नलिखित में से किस स्थल पर पाए गए हैं?
(A) गुफकराल (B) हल्लूर
(C) चिरांद (D) कोल्डिहवा

8. सिंधु घाटी सभ्यता का सबसे उत्तरी स्थल कौन–सा है?
(A) राखीगढ़ी (B) कालीबंगा
(C) लोथल (D) मांडा

9. हड़प्पा स्थल रंगपुर किस वर्तमान भारतीय राज्य में स्थित है?
(A) हिमाचल प्रदेश (B) पंजाब
(C) गुजरात (D) हरियाणा

10. निम्नलिखित में से किस स्थान पर हड़प्पा संस्कृति की अग्नि वेदियाँ पाई गई थीं?
(A) पदरी (B) लोथल
(C) भगतराव (D) मांडा

11. हड़प्पा लिपि के दस बड़े आकार के चिह्नों वाला एक शिलालेख निम्न में से किस स्थान पर पाया गया था?
(A) बनवाली (B) कालीबंगा
(C) धोलावीरा (D) कोट दीजी

12. अनेक विद्वान ऐसा मानते हैं कि टिगरिस-यूफ्रेट्स घाटी के मेसोपोटामियाई लोग, सिंधु घाटी सभ्यता को .... कहते थे।
(A) मगन (B) मेलुहा
(C) सुमेरियन (D) बेबीलोन

13. प्राचीन काल में शिक्षा प्राप्ति से पहले किया जाने वाला संस्कार था–
(A) उपनयन (B) गर्भ
(C) जातक (D) गुरुकुल

14. ऋग्वेद के किस मण्डल में 'गायत्री मंत्र' लिखा गया है?
(A) प्रथम (B) द्वितीय
(C) तृतीय (D) चतुर्थ

15. महाभारत की रचना किसने की ?
(A) वेद व्यास (B) तुलसीदास
(C) प्रेमचन्द (D) मीराबाई

16. प्राचीन वेद कौन है?
(A) ऋग्वेद (B) सामवेद
(C) यजुर्वेद (D) अथर्ववेद

17. वेद कितने हैं?
(A) दो (B) तीन
(C) चार (D) पाँच

18. ऋग्वेद किस भाषा में हैं?
(A) हिन्दी (B) वैदिक संस्कृत
(C) तमिल (D) मैथिली

19. प्राचीनकाल में नाथुला का रास्ता किस नाम से जाना जाता था?
(A) सिल्क मार्ग
(B) पहाड़ी मार्ग
(C) सिल्क मार्ग एवं पहाड़ी मार्ग दोनों
(D) इनमें से कोई नहीं

20. 'आदिपर्व' निम्नलिखित में से किस ग्रंथ का एक भाग है ?
(A) सामवेद (B) महाभारत
(C) विष्णु पुराण (D) रामायण

21. निम्नलिखित में से कौन–सी प्राचीन भारतीय पुस्तक शल्यक्रिया (सर्जरी) पर आधारित है?
(A) मनुस्मृति (B) सुश्रुत संहिता
(C) अर्थशास्त्र (D) चरक संहिता

22. चौपड़ (जिसे चौपर या चौसर भी कहा जाता है) एक प्राचीन भारतीय.............था/थी।
(A) बोर्ड खेल (B) साहसिक खेल
(C) युद्धकला (D) शस्त्र (हथियार)

23. निम्नलिखित में से किस प्राचीनतम ग्रंथ के श्लोकों को संगीतबद्ध किया गया था?
(A) मेघदूत (B) कामसूत्र
(C) संगीत रत्नाकार (D) सामवेद

24. ऋग्वेद _____सूक्तों का संग्रह है।
(A) 1076 (B) 1028
(C) 1152 (D) 1124

25. वैदिक कालीन 'चतुराश्रम' व्यवस्था के अनुसार, पारिवारिक अवधि के लिए निम्न में से किस पद का प्रावधान किया गया है?
(A) संन्यास (B) ब्रह्मचर्य
(C) वानप्रस्थ (D) गृहस्थ

26. वेद ऋषि कपिल का सम्बन्ध भारतीय दर्शन के .... संप्रदाय से था।
(A) न्याय (B) वैशेषिक
(C) सांख्य (D) मीमांसा

27. प्रथम बौद्ध टीकाकार थे–
(A) अश्वघोष (B) वज्रबोधि
(C) चिथलाई सथनार (D) बुद्ध घोष

28. निम्नलिखित में कौन बौद्ध अध्ययन केंद्र से सम्बन्धित नहीं है?
(A) नालंदा (B) बनारस
(C) तक्षशिला (D) विक्रमशिला

29. किस बौद्ध ग्रन्थ में 16 महाजनपदों का विवरण दिया है?
(A) भगवती सूत्र (B) उपनिषद्
(C) अंगुतर निकाय (D) मूलाचार

30. 'भगवती सूत्र' किस धर्म से सम्बन्धित है ?
(A) बौद्ध धर्म (B) जैन धर्म
(C) ब्राह्मण धर्म (D) इनमें से कोई नहीं

31. 'विनय पिटक' ग्रंथ किससे सम्बन्धित है ?
(A) संस्कृत व्याकरण
(B) महावीर के उपदेश
(C) हिंदी व्याकरण
(D) बौद्ध संघ के नियम

32. निम्नलिखित में से बुद्ध गणराज्य का सम्बन्ध किससे है?
(A) लिच्छवी
(B) शाक्य
(C) मल्लस
(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

33. त्रिपिटक किसकी पवित्र पुस्तकें हैं?
(A) बौद्ध
(B) हिंदू
(C) जैन
(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

34. महावीर की मृत्यु कहाँ हुई थी?
(A) राजगीर (B) बोध-गया
(C) सारनाथ (D) पावापुरी

35. गौतम बुद्ध को कहाँ ज्ञान प्राप्त हुआ?
(A) वैशाली (B) राजगीर
(C) बनारस (D) बोध-गया

36. तीर्थंकर शब्द किस धर्म से जुड़ा है?
(A) सिख धर्म (B) यहूदी धर्म
(C) जैन धर्म (D) बौद्ध धर्म

37. 'कर्मापा' किन्हें कहा जाता है ?
(A) ईसाई धर्मगुरु (B) जैन धर्मगुरु
(C) बौद्ध धर्मगुरु (D) पंजाबी धर्मगुरु

38. महावीर का जन्म स्थान है–
(A) बोध गया (B) वैशाली
(C) भागलपुर (D) सीवान

39. 24वें तीर्थंकर कौन थे?
(A) ऋषभनाथ (B) शान्तिनाथ
(C) महावीर (D) पार्श्वनाथ

40. बुद्ध ने अपना प्रथम उपदेश कहाँ दिया था?
(A) झाँसी (B) सारनाथ
(C) बोधगया (D) लौरिया

41. भगवान 'महावीर' की जन्मस्थली किस जिले में अवस्थित है?
(A) सारण (B) सीवान
(C) वैशाली (D) गया

42. जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर कौन थे?
(A) ऋषभदेव (B) पार्श्वनाथ
(C) महावीर (D) नेमीनाथ

43. निम्नलिखित में से कौन–सी पुस्तक महान विद्वान भवभूति द्वारा नहीं लिखी गई है?
(A) महावीरचरित (B) मालतीमाधव
(C) उत्तरमचरित (D) रामचरितम्

44. बुद्ध का जन्मस्थल एक प्राकृतिक कुंज था, उसे किस नाम से जाना जाता है?
(A) लुंबिनी (B) पावापुरी
(C) उज्जैन (D) कुशीनगर

45. विभिन्न जैन तीर्थंकरों को समर्पित, संगमरमर पत्थरों पर बारीक नक्काशी से बना दिलवाड़ा जैन मन्दिर किस शहर में स्थित है ?
(A) जयपुर (B) शिमला
(C) माउंट आबू (D) पुणे

46. 'अष्टांगिक मार्ग' (आठ प्रकार के पथ) का तत्वज्ञान निम्नलिखित में से किसके द्वारा प्रतिपादित किया गया था?
(A) शंकराचार्य (B) गौतम बुद्ध
(C) रामानुज (D) महावीर स्वामी

47. जैन धर्म की स्थापना किसने की थी ?
(A) रहीम (B) कबीर
(C) गौतम बुद्ध (D) महावीर

48. जैन धर्म के नियमों का पालन करना निम्नलिखित में से किसके लिए अधिक कठिन था ?
(A) कारीगरों (B) व्यापारियों
(C) किसानों (D) महाजनों

49. पाँचवीं से चौथी शताब्दी ईसा पूर्व के आसपास बुद्ध के उपदेशों का संकलन निम्नलिखित में से कौन-सा था?
(A) तत्वार्थ (B) त्रिपिटक
(C) अवेस्ता (D) अष्टांगहृदयम्

50. जातक कथाएँ निम्नलिखित में से किस संप्रदाय से जुड़ी हुई हैं?
(A) लिंगायत (B) शैव धर्म
(C) जैन धर्म (D) बौद्ध धर्म

51. विष्णु के भक्त क्या कहलाते हैं ?
(A) वैष्णव (B) नयनमार
(C) लिंगायत (D) चिश्ती

52. कुरुक्षेत्र की लड़ाई कितने दिनों तक लड़ी गई ?
(A) 12 (B) 18
(C) 15 (D) 19

53. निम्नलिखित में से कौन-सा एक शैव संप्रदाय नहीं है ?
(A) पंचरात्र (B) कापालिक
(C) वीरशैव (D) पशुपथ

54. भारत में वैष्णववाद की वृद्धि का प्रमाण 'हेलिओडोरस स्तम्भ', किस भारतीय शहर में स्थित है?
(A) लखनऊ (B) कानपुर
(C) उज्जैन (D) विदिशा

55. वाराणसी अधोलिखित किस महाजनपद की राजधानी थी?
(A) काशी (B) वत्स
(C) कौशल (D) मगध

56. हाथियों का सर्वप्रथम किस राज्य ने युद्ध में उपयोग किया?
(A) कौसल (B) मगध
(C) पाल (D) अवंती

57. विश्व का सबसे पुराना गणतन्त्र कौन है ?
(A) पाटलिपुत्र (B) स्पार्टा
(C) एथेन्स (D) वैशाली

58. अंग महाजनपद की राजधानी कहाँ थी ?
(A) चम्पा (B) पाटलिपुत्र
(C) बोधगया (D) राजगृह

59. मगध की प्रथम राजधानी कहाँ थी ?
(A) पाटलिपुत्र (B) वैशाली
(C) राजगृह (D) चम्पा

60. किसने पाटलिपुत्र को सर्वप्रथम अपनी राजधानी बनाई?
(A) अशोक महान
(B) चन्द्रगुप्त विक्रमादित्य
(C) उदायिन
(D) इनमें से कोई नहीं

61. प्राचीन मगध की राजधानी कहाँ थी?
(A) नालंदा (B) पावापुरी
(C) गिरिव्रज (D) छपरा

62. मगध के निम्नलिखित शासकों में से किसके बारे में कहा जाता है कि उन्होंने वज्जि को हराने के लिए बुद्ध की सलाह लेने के लिए वस्सकार नाम के अपने मंत्री को भेजा था?
(A) अजातशत्रु (B) बिंबिसार
(C) शिशुनाग (D) बिंदुसार

63. उज्जैन शहर को पहले ..... के नाम से जाना जाता था।
(A) अयोध्या (B) अवंतिका
(C) द्वारवती (D) कांची

64. निम्नलिखित में से किसने वज्जि पर प्रस्तावित हमले के बारे में सलाह लेने के लिए बुद्ध से मुलाकात की ?
(A) राधागुप्त (B) वस्सकार
(C) अशोक (D) यश

65. छठी शताब्दी ईसा पूर्व से बाद तक पंच–चिह्नित सिक्के, चाँदी और निम्नलिखित में से किस धातु से बने थे?
(A) एलुमिनियम (B) स्वर्ण
(C) ताम्र (D) जस्ता

66. निम्नलिखित में से कौन वज्जि महाजनपद की राजधानी थी ?
(A) गया (B) वैशाली
(C) पाटलिपुत्र (D) अंग

67. सिकंदर की मृत्यु के बाद चन्द्रगुप्त मौर्य द्वारा पराजित हुए सिकंदर के सेनापति का नाम क्या था?

(A) टॉलेमी (B) सेल्यूकस निकेटर
(C) एंटीगोनस (D) कैसेंडर

68. सम्राट अशोक के पिता कौन थे ?
(A) बिन्दुसार (B) चन्द्रगुप्त मौर्य
(C) सुसीम (D) कुनाल

69. मौर्य साम्राज्य का प्रथम शासक कौन था ?
(A) अशोक (B) कनिष्क
(C) चन्द्रगुप्त मौर्य (D) समुद्रगुप्त

70. श्रीनगर की स्थापना किस मौर्य शासक ने की थी?
(A) अशोक (B) बिन्दुसार
(C) चन्द्रगुप्त (D) दशरथ

71. मौर्य साम्राज्य का अंतिम शासक कौन था?
(A) दशरथ (B) कुणाल
(C) सालिसुक (D) बृहद्रथ

72. सम्राट अशोक किसके पुत्र थे ?
(A) चन्द्रगुप्त मौर्य (B) बिन्दुसार
(C) बिम्बिसार (D) इनमें से कोई नहीं

73. अशोक के अभिलेख और ब्राह्मी लिपि को किसने खोजा?
(A) कनिंघम (B) जेम्स प्रिंसेप
(C) मैक्समूलर (D) व्हीलर

74. कौन–सा मौर्य स्तंभ शिलालेख भारत के सुदूर पूर्वी भाग में स्थित है?
(A) साँची (B) सारनाथ
(C) मेरठ (D) टोपरा

75. मौर्य साम्राज्य के पूर्वी भारतीय प्रांत की राजधानी ..... में थी।
(A) सुवर्णगिरी (B) तक्षशिला
(C) तोसलि (D) उज्जैन

76. अशोक के साम्राज्य के निम्नलिखित में से किस भाग में उनके शिलालेख खरोष्ठी लिपि में लिखे गए थे?
(A) उत्तर पश्चिमी (B) मध्यवर्ती
(C) दक्षिणी (D) उत्तर पूर्वी

77. राजा अशोक ने अंतिम युद्ध कौन–सा किया ?
(A) कलिंग का युद्ध (B) कालीकट का युद्ध
(C) पानीपत का युद्ध (D) प्लासी का युद्ध

78. अशोक ने अपने शिलालेख में उल्लेख किया है कि उसने राजा बनने के ..... बाद कलिंग पर विजय प्राप्त की थी।
(A) सात वर्ष (B) दस वर्ष
(C) नौ वर्ष (D) आठ वर्ष

79. निम्नलिखित में से कौन मौर्य साम्राज्य का अंतिम राजा था ?
(A) चंद्रगुप्त (B) बृहद्रथ
(C) बिंदुसार (D) अशोक

80. कश्मीर चतुर्थ बौद्ध परिषद् का आयोजन निम्नलिखित में से किसके द्वारा किया गया था?
(A) वासुदेव (B) विमा कडफिसेस
(C) हुविष्क (D) कनिष्क

81. राजा रुद्रदमन ..... वंश से संबंधित थे।
(A) शक (B) शिशुनाग
(C) शुंग (D) सातवाहन

82. गौतमी पुत्र शातकर्णी, निम्नलिखित में से किस राजवंश का शासक था?
(A) पल्लव (B) चालुक्य
(C) शक (D) सातवाहन

83. अंतिम मौर्य सम्राट की हत्या निम्न में से किसके द्वारा की गई थी?
(A) विष्णुवर्धन (B) कुलशेखर वर्मन
(C) पुष्यमित्र शुंग (D) महेन्द्रवर्मन

84. निम्नलिखित में से किस शासक ने शुंग वंश की स्थापना की थी ?
(A) वज्रमित्र (B) अग्निमित्र
(C) पुष्यमित्र (D) वसुमित्र

85. निम्नलिखित में से कौन-सा शहर उनके साम्राज्य के दौरान कुषाणों की दूसरी राजधानी के रूप में उभरा?
(A) मथुरा (B) पाटलिपुत्र
(C) कन्नौज (D) पुरुषपुर

86. निम्नलिखित में से किस राजवंश ने मौर्योत्तर काल में रेशम मार्ग को नियंत्रित किया था?
(A) शुंग (B) सातवाहन
(C) चेर (D) कुषाण

87. नालंदा विश्वविद्यालय की स्थापना की थी–
(A) कुमारगुप्त (B) चन्द्रगुप्त प्रथम
(C) स्कन्दगुप्त (D) हर्षवर्धन

88. गुप्त वंश का संस्थापक कौन था?
(A) घटोत्कचगुप्त (B) चन्द्रगुप्त प्रथम
(C) श्रीगुप्त (D) रामगुप्त

89. गुप्तकाल में किस शासक को 'भारत का नेपोलियन' कहा जाता है?
(A) चन्द्रगुप्त द्वितीय (B) चन्द्रगुप्त मौर्य
(C) स्कन्दगुप्त (D) समुद्रगुप्त

90. गुप्तकाल में सोने की मुद्रा को कहा जाता था।
(A) दीनार (B) कर्षापण
(C) निष्क (D) कांकिनी

91. चीनी यात्री फाह्यान ने भारत की यात्रा किसके शासनकाल में की?
(A) कुमार गुप्त (B) अशोक
(C) चन्द्रगुप्त द्वितीय (D) बिम्बिसार

92. कुतुबमीनार परिसर में जंग रोधी धातुओं के संयोजन से बने लोहे की स्तम्भ की स्थापना किसने की थी ?
(A) हर्षवर्धन (B) समुद्रगुप्त
(C) रामगुप्त (D) चन्द्रगुप्त द्वितीय

93. महाराजाधिराज की उपाधि धारण करने वाला गुप्त वंश का पहला शासक कौन था?
(A) स्कंदगुप्त (B) समुद्रगुप्त
(C) रामगुप्त (D) चन्द्रगुप्त प्रथम

94. गुप्त शासक समुद्रगुप्त को अपने सिक्कों पर निम्नलिखित में से कौन-सा वाद्य यंत्र बजाते हुए दिखाया गया है?
(A) मृदंग (B) वीणा
(C) तबला (D) सारंगी

95. निम्नलिखित में से किस गुप्त शासक को उसकी सैन्य उपलब्धियों के कारण 'भारत का नेपोलियन' कहा जाता था ?
(A) श्रीगुप्त (B) चंद्रगुप्त द्वितीय
(C) समुद्रगुप्त (D) चंद्रगुप्त प्रथम

96. हर्षवर्धन के शासनकाल में अधोलिखित में से कौन भारत आया?
(A) मेगस्थनीज (B) ह्वेनसांग
(C) चंगेज खान (D) फाह्यान

97. चीनी यात्री ह्वेनसांग ने किस प्राचीन विश्वविद्यालय में अध्ययन किया था?
(A) तक्षशिला विश्वविद्यालय
(B) विक्रमशिला विश्वविद्यालय
(C) नालंदा विश्वविद्यालय
(D) इनमें से सभी में

98. बाणभट्ट इनमें से किस राजा के दरबार में कवि थे ?
(A) हर्षवर्धन (B) राज्यवर्धन
(C) प्रभाकरवर्धन (D) चंद्रगुप्त

99. हर्षवर्धन ने नर्मदा नदी पार करके दक्कन की ओर बढ़ने की कोशिश की तब चालुक्य नरेश, ... ने उन्हें रोक दिया।
(A) पुलकेशिन द्वितीय (B) समुद्रगुप्त प्रथम
(C) चंद्रगुप्त (D) समुद्रगुप्त द्वितीय

100. निम्नांकित में से, दक्षिण भारत का प्रमुख राजवंश था–
(A) चोल वंश (B) गुर्जर-प्रतिहार
(C) चौहान (D) गुहिल वंश

101. वैकुंठ पेरूमल मंदिर कांचीपुरम का निर्माण किसके द्वारा किया गया था–
(A) महेन्द्र बर्मन I (B) नरसिम बर्मन I
(C) नरसिम बर्मन II (D) नंदी वर्मन द्वितीय

102. घटिका किस काल की शैक्षिक संस्था थी?
(A) पंड्या (B) चोल
(C) तीखा (D) पल्लव

103. चोल प्रशासन में प्रान्तों को कहा जाता था?
(A) प्रान्त (B) देश
(C) राष्ट्र (D) मण्डल

104. 'हम्पी' किस साम्राज्य की राजधानी थी?
(A) विजयनगर
(B) मुगल
(C) मेवाड़
(D) उपरोक्त में से कोई भी नहीं

105. निम्न में से कौन चोल वंश की राजधानी थी?
(A) अजमेर (B) तंजौर
(C) कन्नौज (D) उज्जैन

106. चोल वंश की स्थापना किस शासक ने की थी?
(A) करिकाल (B) आदित्य प्रथम
(C) विजयालय (D) राजराज प्रथम

107. जैन संस्थाओं को दान की गई भूमि का, चोल शिलालेखों में ..... के रूप में वर्णन किया गया है।
(A) पाल्लिच्छंदम (B) ब्रह्मादेय
(C) वेलनवगाई (D) देवदान

108. निम्नलिखित में से कौन–सा शहर पांडयों की राजधानी था ?
(A) मदुरई (B) पलामेडु
(C) कल्लूपट्टी (D) करियापट्टी

109. चोल अभिलेखों के अनुसार विद्यालयों के रख–रखाव के लिए भूमि को क्या कहा जाता था ?
(A) देवदान (B) शालाभाग
(C) ब्रह्मदेव (D) वेल्लनवगाई

110. रविकीर्ति ने निम्नलखित में से किस चालुक्य शासक की प्रशस्ति की रचना की थी?
(A) पुलकेशिन II (B) मंगलेश I
(C) विक्रमादित्य IV (D) कीर्तिवर्मन II

111. 'त्रिपक्षीय संघर्ष' किसके ऊपर नियन्त्रण को लेकर लड़ा गया?
(A) इन्द्रप्रस्थ (B) कन्नौज
(C) प्रयाग (D) मान्यखेत

112. नागभट्ट कौन था?
(A) गुप्त शासक (B) चक्रयुद्ध
(C) मालवा (D) प्रतिहार राजा

113. किस पालवंश के शासक ने विक्रमशिला विश्वविद्यालय की स्थापना की?
(A) धर्मपाल (B) रामपाल
(C) गोपाल (D) कुमारपाल

114. भारत के निम्नलिखित क्षेत्रों में से किस क्षेत्र में 10वीं शताब्दी के अंत में दिद्दा नामक महिला शासक का शासन था?
(A) बंगा (B) आंध्र
(C) कलिंग (D) कश्मीर

115. कश्मीरी कवि.....द्वारा लिखे गए विक्रमांकदेव चरित में चालुक्य राजा विक्रमादित्य का वर्णन किया गया है।
(A) जयंक (B) कल्हण
(C) बिल्हण (D) वाक्यति

116. निम्नलिखित में से किसने संस्कृत व्याकरण की रचना की है ?
(A) कालिदास (B) चरक
(C) पाणिनि (D) आर्यभट्ट

117. हेरोडोट्स कौन था?
(A) इतिहासकार (B) वैज्ञानिक
(C) डॉक्टर (D) दार्शनिक

118. किस स्थान से प्राप्त अभिलेखों से सभा के संगठन के विषय में जानकारी प्राप्त होती है?
(A) उत्तरमेरूर (B) मामल्लापुरम्
(C) कांचीपुरम (D) उक्कल

119. प्राचीन विक्रमशिला विश्वविद्यालय कहाँ अवस्थित था?
(A) बोध–गया (B) भागलपुर
(C) सासाराम (D) वैशाली

120. प्राचीन काल में कौन चीनी यात्री नालंदा विश्वविद्यालय में पढ़ने एवं पढ़ाने आए थे?
(A) ह्वेन सांग (B) मार्को पोलो
(C) निकोलो कोंटी (D) बतूता

121. प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय में प्रवेश हेतु किस संगठन द्वारा प्रवेश परीक्षा ली जाती थी?
(A) विद्यार्थियों के समूह द्वारा
(B) शिक्षक समूह द्वारा
(C) द्वारपंडित द्वारा
(D) इनमें से कोई नहीं।

122. नालंदा विश्वविद्यालय में कहाँ–कहाँ से छात्र पढ़ने आते थे?
(A) कोरिया (B) चीन
(C) तिब्बत (D) उपर्युक्त सभी

123. विश्व का प्रथम आवासीय विश्वविद्यालय निम्न में से कौन है?
(A) विक्रमशिला विश्वविद्यालय
(B) राँची विश्वविद्यालय
(C) नालंदा विश्वविद्यालय
(D) बिहार विश्वविद्यालय

124. जैन विद्वान मेरुतुंग ने किस वर्ष में 'प्रबंध चिंतामणि' का संकलन किया ?
(A) 1304 ई. (B) 1207 ई.
(C) 1406 ई. (D) 1608 ई.

125. निम्न में से चार पुरानी सभ्यताओं में से सबसे बड़ी सभ्यता है।
(A) मेसोपोटामिया (B) चीन
(C) मिस्र (D) सिन्धुघाटी सभ्यता

126. भारत के प्रसिद्ध गणितज्ञों में से एक आर्यभट्ट, का जन्म.....में हुआ था।
(A) कश्मीर (B) बिहार
(C) बंगाल (D) तमिलनाडु

127. 'सत्यमेव जयते' पहली बार ..... द्वारा सुनाया गया था।
(A) बंकिम चन्द्र चटर्जी
(B) लोकमान्य तिलक
(C) लाल बहादुर शास्त्री
(D) मदन मोहन मालवीय

128. धार्मिक किताब भगवद्गीता किसने लिखी थी?
(A) कालिदास (B) वाल्मीकि
(C) वेदव्यास (D) विश्वामित्र

129. ..... साम्राज्य पहला अखिल भारतीय साम्राज्य था, जिसके शासन क्षेत्र में अधिकांश वर्तमान भारतीय उपमहाद्वीप आते थे।
(A) कुषाण (B) गुप्त
(C) मौर्य (D) चोल

130. तटीय प्रदेश उड़ीसा का प्राचीन नाम क्या था?
(A) कलिंग (B) कौशांबी
(C) कामरूप (D) खानदेश

131. मिस्र के रोसेट्टा नाम के कस्बे में एक उत्कीर्णित पत्थर मिला है।
निम्नलिखित में से कौनी-सी भाषा उस पर उत्कीर्णित है ?
(A) रोमन (B) यूनानी
(C) अरामेइक (D) लैटिन

132. ईसा मसीह के जन्म के पूर्व की सभी तिथियों की गणना ..... के रूप में की जाती है।
(A) अग्रसर (आगे की ओर)
(B) पश्चगामी
(C) दशमलवों में
(D) रोमन संख्याओं में

133. यदि आपको प्राचीन भारतीय इतिहास पढ़ाना प्रारम्भ करना है तो निम्नलिखित स्रोतों में से किस स्रोत को प्रयुक्त करना गलत होगा ?
(A) लघु चित्रकारी (B) शिलालेख
(C) हस्तलिपियाँ (D) गुफा चित्रकारी

134. सबसे पुरानी पांडुलिपियाँ ..... पर लिखी गई थीं।

(A) कागज (B) लकड़ी

(C) ताड़पत्रों (D) पत्थरों

135. हैलियोग्राफी सम्बन्धित है–

(A) शासक के आत्मकथा लेखन से

(B) सन्त के जीवनी लेखन से

(C) सन्त के आत्मकथा लेखन से

(D) शासक के जीवनी लेखन से

136. ऐतिहासिक स्थल वह है जहाँ–

(A) अतीत के स्मृति शेष/अवशेष मिलते हैं

(B) उत्खनन के क्रियाकलाप होते हैं

(C) इतिहास-प्रिय लोग जुटते हैं

(D) इतिहासकार इतिहास लिखते हैं

137. बी.सी.ई. का तात्पर्य है–

(A) बिफोर कॉमन एरा

(B) बिफोर सीजर एरा

(C) बिफोर कॅन्टिंपररी एरा

(D) बिफोर क्रिश्चियन एरा

138. सन् 2012 निम्नलिखित में से किस प्रकार से भी लिखा जा सकता है?

(A) ई.सी. 2012 (B) ए.डी. 2012

(C) ए.पी. 2012 (D) बी.सी. 2012

139. 'मैन्यू स्क्रिप्ट' लेटिन भाषा से प्राप्त हुआ है, जिसमें 'मेनू' शब्द का अर्थ है–

(A) मनुष्य (B) हाथ/हस्त

(C) लेख (D) बुद्धि

140. निम्नलिखित में से कौन-सा महापाषाण युगीन स्थल है?

(A) ब्रह्मगिरि (B) दाओजली हैडिंग

(C) भीमबेटका (D) मेहरगढ़

141. निम्नलिखित में से किस सिंधु घाटी सभ्यता स्थल पर वयस्क लोगों को प्रायः गड्ढे में सीधा लिटा कर दफनाया जाता था, उनका सिर उत्तर की ओर होता था ?

(A) लोथल (B) गुफक्राल

(C) मेहरगढ़ (D) इनामगाँव

142. पहले के पुरास्थलों में से एक पुरास्थल बुर्जहोम में खाना पकाने के लिए चूल्हों के चिह्न मिले हैं–

(A) झोपड़ियों के अन्दर

(B) झोपड़ियों के बाहर

(C) झोपड़ियों के अन्दर और बाहर दोनों

(D) झोपड़ियों से दूर

143. निम्नलिखित का सुमेल करें :

स्थल/स्थान	**राज्य**
(a) भीमबेटका	(I) महाराष्ट्र
(b) राजगृहा	(II) कर्नाटक
(c) इनामगाँव	(III) बिहार
(d) ब्रह्मगिरी	(IV) मध्य प्रदेश

कूट :

144. आरंभिक मानव के पाषाण काल पुरास्थलों का पुरास्थलों से प्राप्त प्रमाणों के साथ मिलान करें–

a. कुरनूल i. शुतुरमुर्ग के अण्डे

b. भीमबेटका ii. भस्म अवशेष

c. हुँरूगी iii. गुफाएँ और कन्दराएँ

d. पटने iv. आवास और उद्योग-स्थल

145. उन्नीसवीं सदी में, कौन–सा आदिवासी समूह मुख्यतः बकरियों का पालन करता था ?

(A) पंजाब के पहाड़ों में रहने वाले वन गुज्जर

(B) आंध्र प्रदेश के लबाड़िया

(C) कश्मीर के बकरवाल

(D) कुल्लू के गद्दी

146. 'इण्डस' शब्द को संस्कृत में ..... कहा जाता है।

(A) हिंदोस (B) इण्डोस

(C) सिन्धु (D) भारत

147. आधुनिक भारत की ज्यादातर लिपियाँ किससे उत्पन्न हुई हैं ?

(A) ब्राह्मी (B) बांग्ला

(C) तमिल (D) देवनागरी

148. निम्नलिखित हड़प्पाकालीन नगरों में से गुजरात में कौन स्थित हैं ?

(A) धौलावीरा और मेहरगढ़

(B) कोलदिवा और राखीगढ़ी

(C) लोथल और कोलदिवा

(D) धौलावीरा और लोथल

149. भारतीय–उप महाद्वीप के प्राचीनतम नगरों पर परियोजना कार्य की योजना बनाते समय, आप छात्रों को किस क्षेत्र की जानकारी प्राप्त करने के लिए कहेंगे ?

(A) गंगा घाटी

(B) नर्मदा घाटी

(C) सिंधु घाटी सभ्यता

(D) ब्रह्मपुत्र नदी

150. भारत के निम्नलिखित राज्यों में से किस एक राज्य में हड़प्पा के नगर सबसे बड़ी संख्या में मिले हैं ?

(A) गुजरात (B) जम्मू और कश्मीर

(C) पंजाब (D) हरियाणा

151. निम्नलिखित में से कौन–सा हड़प्पा का स्थल नहीं है?

(A) राखीगढ़ी (B) सोत्काकोह

(C) गंवेरीवाला (D) चिराँद

152. 'ऋग्वेद' मूल रूप से निम्नलिखित में से किस भाषा में रची गई थी ?

(A) संस्कृत (B) प्राकृत

(C) ब्राह्मी (D) पाली

153. 'पुरु', 'यदु' और 'भरत' का वेदों में उल्लेख ..... की तरह है।

(A) जन (B) राष्ट्र

(C) राजन (D) दस्यु

154. ऋग्वेद काल में कौन–से तीन देवता खासकर प्रमुख थे?

(A) इन्द्र, वरुण तथा रुद्र

(B) अग्नि, इन्द्र तथा विष्णु

(C) रुद्र, विष्णु तथा इन्द्र

(D) अग्नि, इन्द्र तथा सोम

155. संस्कृत को जिस भाषा–परिवार का हिस्सा माना जाता है, उसे ———————— कहते हैं।

(A) भारत-यूरोप (B) भारत-अरब

(C) भारत-आर्य (D) भारत-यूनान

156. निम्न में से किस भारतीय साहित्यिक धरोहर का अर्थ है '(गुरु के) पास जाकर समीप बैठना'?

(A) वेद (B) आरण्यक

(C) पुराण (D) उपनिषद्

157. निम्नलिखित को हाल के काल से शुरू करके अवरोही क्रम (उल्टा) में लगाएँ–

(a) ऋग्वेद की रचना

(b) वर्ण व्यवस्था का उदय

(c) मौर्य साम्राज्य का उत्थान

(d) बौद्ध धर्म का उदय

158. निम्नलिखित में से कौन–सा एक महाजनपद के शासकों द्वारा वसूल किया जाने वाला नियमित कर नहीं है ?

(A) फसल **पर** कर

(B) शिल्पकार **पर** कर

(C) चरवाहों **पर** कर

(D) परिवार **पर** कर

159. लगभग 2000 वर्ष पहले वाराणसी एक प्रसिद्ध शिल्प केन्द्र था जहाँ श्रेणी थे–

(A) धातु **के** सिक्के जिन पर आकृतियाँ बनाई जाती थीं

(B) बौद्ध **मठ**

(C) शिल्पकारों **और** व्यापारियों के संघ

(D) कृषि **उत्पादन** के लिए प्रयुक्त लोहे के हलों के फल

160. छठी शताब्दी ईसा पूर्व में मगध महाजनपद के पहले शासक थे–

(A) बिम्बिसार (B) अजातशत्रु

(C) महावीर (D) प्रसेनजीत

161. निम्नलिखित में से कौन–सा क्षेत्र प्राचीनकाल में 'मगध' के नाम से जाना जाता था?

(A) गंगा **का** दक्षिणी क्षेत्र

(B) गंगा **तथा** यमुना के मध्य का क्षेत्र

(C) गंगा **का** उत्तरी क्षेत्र

(D) यमुना **तथा** चम्बल के मध्य का क्षेत्र

162. कौन-से बौद्ध साहित्य में बौद्ध संघ के लिए बनाए गए नियमों का वर्णन मिलता है ?

(A) सुत्त पिटक (B) विनय पिटक

(C) अभिधम्म पिटक (D) बुद्धचरिता

163. 'विनय–पिटक' एक ग्रंथ है, जो अभिलेखित करता है–

(A) बौद्धों के नियम

(B) जैन धर्म की शिक्षाएँ

(C) वैदिक कर्मकांड

(D) शिक्षकों के मध्य बातचीत

164. "जिस तरह महासागरों में मिलने पर नदियों की अलग-अलग पहचान समाप्त हो जाती है ठीक उसी तरह ..... वे अपना वर्ण, श्रेणी और परिवार सब त्याग देते हैं।"

यह उद्धरण किस ग्रन्थ से लिया गया है ?

(A) बौद्ध ग्रंथ (B) जैन ग्रंथ

(C) पाली ग्रंथ (D) वैदिक ग्रंथ

165. सही अर्थों वाले शब्दों का मिलान करें–

a.	स्तूप	i.	टॉवर
b.	मंडप	ii.	टीला
c.	शिखर	iii.	हॉल

(A) a-ii, b-iii, c-i (B) a-ii, b-i, c-iii

(C) a-iii, b-ii, c-i (D) a-i, b-iii, c-ii

166. भारत के किस क्षेत्र से बौद्ध धर्म तिब्बत पहुँचा ?

(A) अरुणाचल प्रदेश (B) लद्दाख

(C) हिमाचल प्रदेश (D) सिक्किम

167. निम्नलिखित में से कौन-सा बौद्ध-धर्म के त्रिरत्नों में नहीं है ?

(A) अहिंसा (B) संघ

(C) बुद्ध (D) धम्म

168. 'विनय पिटक' एक ग्रंथ है जो अभिलेखित करता है–

(A) बौद्धों के नियम

(B) जैन धर्म की शिक्षाएँ

(C) वैदिक कर्मकांड

(D) शिक्षकों के मध्य बातचीत

169. निम्नलिखित स्तूपों में से किस एक को उस स्थान के रूप में चिह्नित किया गया है, जहाँ बुद्ध ने पहली बार उपदेश दिया था?

(A) साँची (B) थोटलकोंडा

(C) बोधगया (D) सारनाथ

170. बौद्ध धर्म में, बोधिसत्त्व थे–

(A) बुद्ध की प्रतिमाएँ

(B) वे लोग जिन्होंने निर्वाण (प्रबोध) प्राप्त किया

(C) चीनी बौद्ध तीर्थ यात्री

(D) बौद्ध विद्वान्

171. बुद्ध द्वारा लालसाओं व इच्छाओं की तृष्णा को निम्नलिखित में से क्या बताया गया?

(A) तन्हा (B) तीव्र इच्छा

(C) पिपासा (D) तृष्णा

172. जीवन कष्टों और दुःखों से भरा हुआ है और ऐसा हमारी इच्छा और लालसाओं (जो हमेशा पूरी नहीं हो सकतीं) के कारण होता है। उपर्युक्त दीक्षा किसने दी है?

(A) वर्धमान महावीर (B) रिषभ देव

(C) गौतम बुद्ध (D) शंकराचार्य

173. कंधार (अफगानिस्तान) से प्राप्त अशोक के अभिलेख दो लिपियों में लिखे हुए हैं। वे हैं ....।

(A) यूनानी **तथा** अरामेइक

(B) यूनानी **तथा** पाली

(C) अरामेइक **तथा** पाली

(D) अरामेइक **तथा** लैटिन

174. अशोक के शिलालेख देश के भीतर और बाहर कई जगहों पर मिले हैं।

निम्नलिखित में से कौन-सा विकल्प सही जगहों को दर्शाता है ?

(A) कालीबंगा, **चन्हूदड़ो,** धौलावीरा, सोत्काकोह

(B) जौगड़, **मस्की,** टोपरा, लम्पक

(C) गंवेरीवाला, **इनामगाँव,** दाओजली हेडिंग

(D) हुँस्गी, **भीमबेटका,** कुरनूल, पैय्यमपल्ली

175. निम्नलिखित में से मौर्य साम्राज्य में उत्तराधिकार का कौन–सा क्रम सही है ?

(A) चंद्रगुप्त **मौर्य,** अशोक, बिंदुसार, दशरथ मौर्य

(B) चंद्रगुप्त **मौर्य,** बिंदुसार, अशोक, दशरथ मौर्य

(C) चंद्रगुप्त **मौर्य,** बिंदुसार, दशरथ मौर्य, अशोक

(D) चंद्रगुप्त **मौर्य,** बिंदुसार, दशरथ मौर्य, अशोक

176. आप कक्षा में खोंड और अपतानी नागाओं पर चर्चा कर रहे हैं। आपको उस माध्यम का चयन करना है जिस पर छात्र उन राज्यों को चिह्नित करेंगे जिनसे ये जनजातियाँ हैं।

सही विकल्प का चयन कीजिए।

(A) मानचित्र **पर** झारखंड और नागालैंड

(B) समय **रेखा** पर गुजरात और मेघालय

(C) मानचित्र **पर** ओडिशा और अरुणाचल प्रदेश

(D) समय **रेखा** पर गुजरात और नागालैंड

177. अशोक के अधिकतर अभिलेख निम्नलिखित लिपियों में से किसमें लिखे गए थे ?

(A) ब्राह्मी (B) तमिल

(C) ओचिकी (D) देवनागरी

178. अर्थशास्त्र के अनुसार मौर्यकाल में उत्तर– पश्चिम ..... के लिए प्रसिद्ध था।

(A) चाँदी **एवं** ताँबा

(B) कम्बल

(C) कपास

(D) सोना **एवं** बहुमूल्य पत्थर

179. आप 'भारतीय उप–महाद्वीप के प्रथम साम्राज्य' पर परियोजना कार्य के लिए छात्रों को किस साम्राज्य के विषय में जानकारी एकत्रित करने के लिए कहेंगे?

(A) गुप्त **साम्राज्य**

(B) वाकटका **साम्राज्य**

(C) कुषाण **साम्राज्य**

(D) मौर्य **साम्राज्य**

180. निम्नलिखित में से किस ग्रंथ में पेरियअलवार, अंडाल, तोंडरडिप्पोडी अलवार और नम्माल्वार के गीतों का संकलन किया गया है ?

(A) दिव्य **प्रबंधम्** (B) तेवरम्

(C) तिरुवाचकम् (D) तिरुमुरयी

181. एलोरा की गुफा का भित्ति–चित्र जिसमें विष्णु को नरसिंह अर्थात् पुरुष–सिंह के रूप में दिखाया गया है, किस काल की कृति है?

(A) चालुक्य **काल** (B) गुप्त काल

(C) गुर्जर–प्रतिहार **काल**

(D) राष्ट्रकूट **काल**

व्याख्यात्मक हल

1. (A) धातु की प्लेटें और पाषाण लेखन को अभिलेख नाम से जाना जाता है।
- अभिलेख का शाब्दिक अर्थ है 'पत्थर पर कुछ लिखना', अशोक के शासन काल में अभिलेख तीन प्रकार के थे–
  (i) स्तम्भलेख
  (ii) शिलालेख
  (iii) गुहालेख

2. (D) प्राचीन भारत में पत्थर के औजार बनाने के लिए प्रेशर फ्लैकिंग तकनीक का उपयोग किया जाता था।

3. (A) महापाषाण काल शब्द बड़े पत्थरों से निर्मित या उनसे युक्त स्मारकों से संबंधित है।
महापाषाण ऐसे बड़े पत्थरों या शिला को कहते हैं जिसका उपयोग किसी स्तम्भ, स्मारक या अन्य निर्माण के लिए किया गया हो।

4. (D) आदिचनल्लूर पुरातात्विक स्थल तमिलनाडु राज्य में स्थित है। यह स्थल केरल राज्य तिरूनेलबेली जिले में स्थित एक पुरापाषाण कालीन स्थल है। यहाँ से शवकलश के साथ कांसे के कुक्कुट के प्रमाण मिले हैं।

5. (C) मेहरगढ़ पुरातात्विक स्थल भारत में स्थित नहीं है। मेहरगढ़ पुरातात्विक दृष्टि से महत्वपूर्ण एक नवपाषाण युग का स्थल जो पाकिस्तान बलूचिस्तान प्रांत में स्थित है, यहाँ विश्व के कृषि एवं पशुपालन के प्राचीनतम साक्ष्य प्राप्त हुये हैं।

6. (A) प्राचीन लोथल नगर गुजरात राज्य में स्थित है।
- लोथल प्राचीन सिंधु घाटी सभ्यता के शहरों में से एक बहुत ही महत्वपूर्ण बंदरगाह शहर है जो भोगवा नदी के किनारे अवस्थित था।
- इसकी खोज सन् 1954 में रंगनाथ राव द्वारा की गई थी।

7. (B) प्राचीन भारत में मोटे अनाजों की कृषि के साक्ष्य हल्लूर स्थान पर पाए गए हैं। यह स्थल कर्नाटक राज्य स्थित एक महत्वपूर्ण पुरातात्विक स्थल है।

8. (D) सिंधु घाटी सभ्यता का सबसे उत्तरी स्थल मांडा है। जो जम्मू में, स्थित है जबकि सबसे दक्षिणी बिन्दु महाराष्ट्र के दैमाबाद में स्थित है। इस सभ्यता का सबसे पश्चिमी स्थल सुत्कनाडोर तथा सबसे पूर्वी स्थल आलगीरपुर मेरठ उ. प्र. है।

9. (C) हड़प्पा स्थल रंगपुर भारतीय राज्य गुजरात में स्थित है। इस स्थल की खुदाई 1953-1954 में ए. रंगनाथ, राव द्वारा की गई थी। यहाँ से मिले कच्ची ईंटों के दुर्ग, नालियाँ, मृदभांड, बाँट, पत्थर के फलक आदि महत्वपूर्ण हैं।

10. (B)
- लोथल स्थान पर हड़प्पा संस्कृति की अग्नि वेदियाँ पाई गई थीं।
- लोथल गुजरात में भोगवा नदी के तट पर स्थित है। लोथल में सिंधु घाटी सभ्यता के युग में एक डॉकयार्ड (गोदीवाडा) था।
- लोथल गुजरात के अहमदाबाद जिले के भोगवा नदी के तट पर स्थित है।
- इसकी खोज 1954 में एस.आर.राव. ने की थी।

11. (C)
- हड़प्पा लिपि के दस बड़े आकार के चिह्नों वाला एक शिलालेख धोलावीरा स्थान पर पाया गया था।
- घौलावीरा की खुदाई जोशी ने 1967 में गुजरात के कच्छ इलाके के पास की थी।
- वनावली स्थल की खुदाई 1973 में हरियाणा के फतेहाबाद में आर.एस. बिष्ट के द्वारा की गयी थी। बनावली जिले में हल की प्रतिकृति खेत में मिली थी। यहाँ देवी माँ की मिट्टी की मूर्ति भी मिली थी।
- कालीबंगा का अर्थ काले रंग की चूड़ियाँ है। यह स्थल राजस्थान में स्थित है।
- इसकी पहली खुदाई 1951 में अमलानन्द घोष ने और बाद में बी.ब.लाल और बाद में वी.के. थापर ने 1961 में की थी। यहाँ जुते हुए खेत के प्रमाण प्राप्त हुए हैं।

12. (B)
- हड़प्पा सभ्यता को टिगरिस–यूफ्रेटस मेसोपोटामिया सभ्यता के लोग 'मेलुहा' कहते थे।
- मेसोपोटामिया पश्चिमी एशिया का एक ऐतिहासिक क्षेत्र हैं जो टिगरिस–यूफ्रेट्स नदी प्रणाली के परिक्षेत्र में स्थित है।
- सुमेरियन सभ्यता के नामकरण का आधार सुमेर नामक नगर है। यह दजला फरात नदी का दक्षिणी भाग है।

13. (A) प्राचीन काल में शिक्षा प्राप्ति से पहले किया जाने वाला संस्कार उपनयन संस्कार था। विद्या का आरम्भ उपनयन संस्कार द्वारा होता था जिसमें जनेऊ धारण किया जाता था।
- गर्भाधान संस्कार द्वारा व्यक्ति का शरीर उत्पन्न होता है, लेकिन उपनयन संस्कार द्वारा उसका आध्यात्मिक जन्म होता है।
- उपनयन संस्कारः बच्चे का पवित्र धागा संस्कार होता है इसमें बच्चा एक पवित्र धागा पहनता है।
- उपनयन संस्कार को यज्ञोपवीत संस्कार भी कहा जाता है।

14. (C) ऋग्वेद के तीसरे मंडल में गायत्री मंत्र लिखा गया है। ऋग्वेद में कुल 10 मंडल हैं 1028 सूक्त हैं तथा 10,580 ऋचाएँ हैं।

15. (A) महाभारत की रचना महर्षि वेदव्यास ने की थी।
- तुलसीदास ने रामचरितमानस तथा प्रेमचंद ने गोदान की रचना की थी।

16. (A) प्राचीनतम वेद ऋग्वेद है, इसमें 10 मंडल, 1028 सूक्त एवं 10,600 ऋचाओं (मंत्रों) का संकलन है।
- वेदों की संख्या चार है–ऋग्वेद, यजुर्वेद सामवेद तथा अथर्ववेद।
- यजुर्वेद में कर्मकाण्ड, सामवेद में संगीत तथा अथर्ववेद में रोग निवारण एवं जादू-टोना का उल्लेख किया गया है।

17. (C) वेद चार प्रकार के होते हैं, ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद एवं अथर्ववेद। वेदों में सर्वाधिक प्राचीन ऋग्वेद है।

18. (B) ऋग्वेद वैदिक संस्कृत भाषा में है। ऋग्वेद भारत का प्राचीनतम वेद है। इसमें कुल 10 मंडल हैं। 1028 सूक्त तथा 10552 मंत्र है। ऋग्वेद का सर्वप्रमुख देवता इन्द्र था।

19. (C) प्राचीन काल में नाथुला का रास्ता सिल्क मार्ग के नाम से जाना जाता था। भारत की ओर से नाथुला दर्रा गंगटोक से लगभग 54 किमी. पूर्व में स्थित है। यह दर्रा चीन और भारत के बीच आपसी समझौतों द्वारा स्थापित तीन खुले व्यापार चौकियों में से एक है। यह दर्रा प्राचीन सिल्क मार्ग की एक शाखा का भी हिस्सा रहा है।

20. (B) आदि पर्व महाभारत ग्रंथ का एक भाग है। यह महाभारत जैसे विशाल ग्रंथ की मूल प्रस्तावना है। आदि पर्व के प्रारंभ में महाभारत के पर्वों और उनके विषयों का संक्षिप्त विवरण है।

21. (B) सुश्रुत संहिता प्राचीन भारतीय पुस्तक शल्यक्रिया पर आधारित है। यह आयुर्वेद एवं शल्य चिकित्सा का प्राचीन ग्रंथ है। सुश्रुत के भारत का पहला शल्य चिकित्सक माना जाता है।

22. (A) चौपड़ एक प्राचीन भारतीय बोर्ड खेल था। प्राचीन काल के लोगों के मनोरंजन का यह प्रमुख साधन था। चौपड़ महाभारत में युधिष्ठिर और दुर्योधन के बीच खेला गया, पासे वाला खेल है।

23. (D) प्राचीनत्म ग्रंथ सामवेद के श्लोकों को संगीतबद्ध किया गया है।

सामवेद में संकलित मंत्रों को देवताओं की स्तुति के समय उद्गाता द्वारा गाया जाता था। इस वेद को संगीतशास्त्र का मूल माना जाता है।

24. (B)
- ऋग्वेद में 1028 सूक्तों का संग्रह है इसके अतिरिक्त इसमें 10 मण्डल और 10552 ऋचाएँ हैं। ऋग्वेद सबसे प्राचीन वेद है, इसका उपवेद आयुर्वेद है। ऋग्वेद के तीसरे मंडल में गायत्री मंत्र का उल्लेख है जो सूर्य को समर्पित है, गायत्री मंत्र की रचना गुरू विश्वामित्र द्वारा की गई।

25. (D)
- वैदिक कालीन चतुराश्रम व्यवस्था के अनुसार पारिवारिक अवधि के लिए गृहस्थ पद का उल्लेख मिलता है।
- जाबलोपनिषद के अनुसार चतुराश्रम व्यवस्था के माध्यम से प्रवृत्ति तथा निवृत्ति के आदर्शों में समन्वयन स्थापित किया है।
- आश्रम व्यवस्था हिन्दू सामाजिक संगठन की दूसरी महत्वपूर्ण संस्था है।
- वैदिक कालीन आश्रम व्यवस्था के माध्यम से मानव जीवन के कर्तव्यों का निर्धारण किया गया है।

26. (C)
- वेद ऋषि कपिल का सम्बन्ध भारतीय दर्शन के सांख्य सम्प्रदाय से है।
- कपिल प्राचीन भारत के एक दर्शनशास्त्री थे।
- गीता में इन्हें श्रेष्ठ मुनि कहा गया है।
- 'कपिलस्मृति' इनका धर्मशास्त्र है।

27. (D) प्रथम बौद्ध टीकाकार बुद्धघोष थे। बुद्धघोष ने पालि में विसुद्धिमग्ग थेरवाद की रचना की जो बौद्ध धर्म का "महान ग्रंथ" माना जाता है।
- यह बौद्ध अभिधम्म दर्शन का विस्तृत विवरण देता है। बुद्धघोष मगध साम्राज्य से श्रीलंका पहुँचे थे और वहीं बस गए थे।
- अश्वघोष प्रसिद्ध बौद्ध विद्वान और कुषाण शासक कनिष्क के दरबारी थे उनकी मुख्य रचनओं में महालंकार, सौन्दरानंद. काव्य और बुद्धचरित शामिल हैं।
- वज्रबोधि एक भारतीय गूढ़ बौद्ध भिक्षु और तांग तिब्बत में बौद्ध दर्शन के शिक्षक थे।
- चिथलाई सथनार तमिल कवि थे जिन्होंने महाकाव्य मणिमेकलाई की रचना की थी।

28. (C) प्रश्नगत स्थानों में से तक्षशिला बौद्ध अध्ययन केंद्र से सम्बन्धित नहीं है यह सनातन संस्कृति और शिक्षा का प्रमुख केन्द्र था।
- तक्षशिला को प्राचीन विश्व का प्रथम अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय माना जाता है।
- इसकी स्थापना 10वीं शताब्दी ईसा पूर्व में हुई थी, यद्यपि 5वीं शताब्दी ईस्वी में जब फाह्यान ने तक्षशिला का दौरा कया तो वहाँ किसी शैक्षणिक केन्द्र का कोई अस्तित्व नहीं था।
- प्रसिद्ध संस्कृत व्याकरणविद् पाणिनि, प्राचीन भारत के प्रसिद्ध नीतिज्ञ कौटिल्य (चाणक्य) और प्रसिद्ध चिकित्सक के चरक और चंद्रगुप्त मौर्य इसी विश्वविद्यालय में पढ़े थे। कनिष्क के शासनकाल में इसे पुनः महत्व प्राप्त हुआ।

29. (C) अंगुतर निकाय बौद्ध ग्रन्थ में 16 महाजनपदों का विवरण दिया है।
- 16 महाजनपदों की सूचीः काशी, कोशल, अंग, मगध, वज्जि, मल्ल, चेदि, वत्स्य, कुरु, पांचाल, मत्स्य, सूरसेन, अस्मक, अवंती, गांधार, कम्बोज।
- बुद्ध के जन्म के पूर्व छठी शताब्दी ईसा पूर्व में भारत 16 महा जनपदों में बँटा हुआ था।
- 16 महाजनपदों में सबसे महत्वपूर्ण महाजनपद मगध था और सबसे बड़ा साम्राज्य इसी महाजनपद का था।
- जैन ग्रंथ भगवती सूत्र में भी 16 महाजनपदों का उल्लेख मिलता है।

30. (B) भगवती सूत्र जैन धर्म से सम्बन्धित है। सूत्त पिट्क, अभिधम्म व विनयपिटक बौद्ध धर्म के प्रमुख ग्रंथ हैं। जबकि बाह्मण धर्म यानि हिन्दू धर्म के ग्रंथ रामायण, महाभारत व गीता हैं।

31. (D) विनय पिटिक ग्रंथ बौद्ध धर्म से सम्बन्धित है। सुत्तपिटक, विनयपिटक एवं अभिधम्म पिटक, बौद्ध धर्म के तीन ग्रंथ हैं। विनय पिटक का संबंध बौद्ध संघ के नियमों से है।

32. (B) बुद्ध का संबंध शाक्य गणराज्य से है क्योंकि गौतम बुद्ध के पिता शाक्यगण के प्रमुख थे और शाक्य गणराज्य वज्जि महाजनपद के 8 गणराज्यों में से एक था। वज्जि महाजनपद प्राचीन भारत के 16 महाजनपदों में से एक था, जिसकी राजधानी "वैशाली" थी। गौतम बुद्ध का जन्म 563 ईसा पूर्व के आसपास कपिलवस्तु में लुम्बिनी नामक स्थान पर हुआ था।

33. (C) त्रिपिटक बौद्ध धर्म की पवित्र पुस्तके हैं। इसमें बौद्ध धर्म की तीन पवित्र पुस्तकें शामिल की गई हैं और इन पुस्तकों को बौद्ध परिषद में संकलित करके रखा गया है त्रिपिटक पुस्तक में शामिल हैं–

विनया पिटकः इसका शाब्दिक अर्थ "अनुशासन की टोकरी" है। जिसमें बौद्ध संघ में भिक्षु और भिक्षणी आदि के लिए प्रवेश के नियमों का उल्लेख है जिसके लेखक आनन्द थे।

सुत्त पिटकः इसकी रचना पहली बौद्ध परिषद में आनंद ने की थी, और इसमें बुद्ध का शिक्षण बताया गया है अर्थात् तर्क और संवादों के रूप में भगवान बुद्ध के सिद्धान्तों का संग्रह है।

अभिधम्म पिटकः इसकी रचना तीसरी परिषद में हुई थी जो पाटलिपुत्र में अशोक के अधीन हुई थी। इसकी रचना मोगलीपुट्ठा टिस्सा में की थी जिसमें बौद्ध मतों की दार्शनिक व्याख्या है।

34. (D) महावीर स्वामी की मृत्यु पावापुरी में हुई थी जो बिहार के नालंदा जिले में अवस्थित है। इनकी मृत्यु 72 वर्ष की उम्र में 527 ईसा पूर्व में हुई थी।
- महावीर स्वामी जैन धर्म के वास्तविक संस्थापक एवं 24वें तथा अंतिम तीर्थंकर थे।

35. (B) गौतम बुद्ध को बोधगया में ज्ञान प्राप्त हुआ था। यह ज्ञान पीपल वृक्ष के नीचे प्राप्त हुआ।
- भगवान बुद्ध को बौद्ध धर्म का संस्थापक माना जाता है। इनके पिता का नाम शुद्धोधन तथा माता का नाम महामाया था। इनकी पत्नी का नाम यशोधरा तथा पुत्र का नाम राहुल था।
- इनका जन्म, ज्ञान प्राप्ति व मृत्यु तीनों बैशाखी के दिन हुई।

36. (C)
- तीर्थंकर शब्द जैन धर्म से जुड़ा है।
- जैन धर्म में तीर्थंकर, धर्म (धार्मिक मार्ग) का एक उद्धारक और आध्यात्मिक शिक्षक होता है।
- जैन धर्म के अनुसार, तीर्थंकर एक दुर्लभ व्यक्ति होता है जिसने संसार, मृत्यु और पुनर्जन्म के चक्र पर विजय प्राप्त की है और दूसरों के लिए अनुसरणीय मार्ग बनाया है।
- जैन धर्म 24 तीर्थंकर हुए जिनमें प्रथम तीर्थंकर (आदिनाथ या ऋषभदेव और 24 वे तीर्थंकर महावीर स्वामी थे।

37. (C) कर्मापा बौद्ध धर्म गुरुओं को कहा जाता है, तिब्बत में बौद्ध धर्म गुरुओं के लिये कर्मापालय शब्द प्रयुक्त किया जाता है।

38. (B) महावीर का जन्म स्थान वैशाली है। महावीर स्वामी जैन धर्म के वास्तविक संस्थापक हैं जिनका जन्म 540 ई.पू. कुंडग्राम (वैशाली जिला) में हुआ था।

- महावीर स्वामी जैन धर्म के 24 वें एवं अंतिम तीर्थंकर थे। इनके पिता का नाम सिद्धार्थ एवं माता का नाम त्रिशला था।
- जैन धर्म का संस्थापक ऋषभदेव या आदिनाथ को माना जाता है।

39. (C) महावीर स्वामी जैन धर्म के 24वें एवं अंतिम तीर्थंकर थे। जिनकी मृत्यु बिहार के नालंदा के पावापुरी में 527 ई.पू. में हुई थी। इनको जैन धर्म का वास्तविक संस्थापक माना जाता है लेकिन जैन धर्म का संस्थापक आदिनाथ/ऋषभदेव थे।

40. (B) गौतम बुद्ध ने अपना प्रथम उपदेश सारनाथ में दिया था। यह उपदेश पाँच ब्राह्मणों को दिया गया था।

- बुद्ध ने अपने जीवन काल में सर्वाधिक उपदेश श्रावस्ती में दिये थे।
- बुद्ध ने अपने उपदेश पाली भाषा में दिये थे।

41. (C) भगवान महावीर की जन्मस्थली वैशाली जिले के वासुकुंड स्थान पर अवस्थित है। इनकी मृत्यु पावापुरी (नालन्दा) में हुई थी।

- महावीर स्वामी जैन धर्म के 24 वें एवं अन्तिम तीर्थंकर थे। इन्हें जैन धर्म का वास्तविक संस्थापक माना जाता है। इन्हें जिन या अर्हत भी कहा जाता है।

42. (A) जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर ऋषभदेव या आदिनाथ थे जबकि महावीर स्वामी जैन धर्म के 24वें व अंतिम तीर्थंकर थे। जैन धर्म का वास्तविक संस्थापक महावीर स्वामी को ही माना जाता है।

43. (D) रामचरितम् पुस्तक महान विद्वान भवभूति द्वारा नहीं लिखी गई है। शेष तीनों पुस्तक भवभूति द्वारा लिखी गई हैं। भवभूति संस्कृत के महान कवि एवं सर्वश्रेष्ठ नाटककार थे, उनके नाटक कालिदास के समकक्ष माने जाते हैं।

44. (A) बुद्ध का जन्मस्थल एक प्राकृतिक कुंज था, जिसे लुंबिनी नाम से जाना जाता है। इनका का जन्म लुंबिनी में 563 ईसा पूर्व शाक्य कुल के राजा शुद्धोधन के घर हुआ था।

45. (C) विभिन्न जैन तीर्थंकरों को समर्पित, संगमरमर पत्थरों पर बारीक नक्काशी से बना दिलवाड़ा जैन मन्दिर माउंट आबू में स्थित है। दिलवाड़ा जैन मन्दिर पाँच मन्दिरों का एक समूह है। जिसका निर्माण गुजरात के चालुक्य शासकों के सामंत विमल द्वारा करवाया गया था।

46. (B) अष्टांगिक मार्ग (आठ प्रकार के पथ) का तत्वज्ञान गौतम बुद्ध द्वारा प्रतिपादित किया गया था।

गौतम बुद्ध के अष्टांगिक मार्ग के सभी मार्ग 'सम्यक' शब्द से प्रारम्भ होते हैं। इन मार्गों को तीन हिस्सों में वर्गीकृत किया जाता है– प्रज्ञा, शील और समाधि।

47. (D) जैन धर्म का जन्म भारत में बौद्ध धर्म के समान काल में हुआ था। यह महावीर स्वामी द्वारा लगभग 500 ईसा पूर्व में स्थापित किया गया था। उनका जन्म पटना के पास हुआ था, जो अब बिहार राज्य है।

48. (C) जैन धर्म के नियमों का पालन करना किसानों के लिए अधिक कठिन था, क्यांकि किसानों को अपनी फसलों की रक्षा के लिए कीड़ों को मारना पड़ता था और जैन धर्म का सबसे पहला अंहिसा है जिस कारण उनके लिए नियमों का पालन करना अधि ाक कठिन था।

- जैन धर्म को मुख्य रूप से व्यापारियों का समर्थन प्राप्त था।

49. (B) बुद्ध के उपदेशों का संकलन त्रिपिटिकों में मिलता है।

- त्रिपिटक बौद्ध धर्म का प्राचीनतम ग्रन्थ है।
- यह ग्रन्थ पाली भाषा में लिखे गये हैं और विभिन्न भाषाओं में अनुवादित हैं।
- त्रिपिटक तीन ग्रन्थों विनय पिटक, सुत्तपिटक तथा अभिधम्म पिटक का संयुक्त नाम है।
- तत्वार्थ जैन ग्रन्थ माना जाता है।
- जिस भाषा के माध्यम का आश्रय लेकर जरथुस्त्रु धर्म (फारस/ईरान में इस्लामी अरबों की विजय के पहले का मूल धर्म) का विशाल साहित्य निर्मित हुआ था उसे अवेस्ता कहते हैं। यह पारसी धर्म के पवित्र ग्रंथों का सामूहिक नाम है।

50. (D) जातक कथाएँ बौद्ध संप्रदाय से जुड़ी हुई हैं।

- जातक कथाओं में भगवानबुद्ध के पूर्व जन्म की कथाओं का विवरण मिलता है।
- जैन धर्म के तीर्थंकरों की जीवनी भद्रबाहु द्वारा रचित कल्पसूत्र में है।
- वामन पुराण में शैव सम्प्रदाय की संख्या चार बतायी गयी है–पाशुपत, कापालिक, कालामुख एवं लिंगायत।
- लिंगायत संप्रदाय की स्थापना वासव और अल्लभ प्रभु ने की थी।
- पाशुपत संप्रदाय के संस्थापक लकुलीश थे।

51. (A) विष्णु या उनके अवतारों की पूजा करने वाले वैष्णव कहलाते हैं। कड़ाई से बोलना, एक व्यक्ति जो विष्णु की तरह शुद्ध है वह वैष्णव है।

- विष्णु सत्व गुण का प्रतिनिधित्व करते हैं, इसलिए एक व्यक्ति जो इस तरह के सत्व को प्राप्त कर चुका है, वह सही अर्थों में वैष्णव है।

52. (B) कुरुक्षेत्र की लड़ाई 18 दिनों तक लड़ी गई।

- कुरुक्षेत्र युद्ध कौरवों और पाण्डवों के मध्य कुरु साम्राज्य के सिंहासन की प्राप्ति के लिए लड़ा गया था।
- महाभारत का युद्ध मार्गशीर्ष शुल्क पक्ष की 14वीं तिथि को आरम्भ हुआ और 18 दिनों तक चला।
- भीष्म पितामह ने प्रधान सेनापति के रूप में 10 दिनों तक कौरव सेना का नेतृत्व किया।
- महाभारत व अन्य वैदिक साहित्यों के अनुसार यह प्राचीन भारत में वैदिक काल के इतिहास का सबसे बड़ा युद्ध था।
- महाभारत संस्कृत भाषा में लिखा गया भारत का प्राचीन एवं सबसे बड़ा महाकाव्य है।
- महाभारत को महर्षि वेदव्यास मुनि ने लिखा था। यह दुनिया का सबसे लम्बा महाकाव्य है।

53. (A) पंचरात्र शैव संप्रदाय नहीं है। यह वैष्णव सम्प्रदाय है कृष्ण, बासुदेव, साम्ब, अनिरूद्ध पद्युम्न, पंचरात्र का निर्माण करते हैं। कापालिक, वीर शैव और पशुपथ शैव संप्रदाय हैं। शैव सम्प्रदाय हिन्दू धर्म की एक प्रमुख शाखा है। शैव में शाक्त, नाभ, दसनामी, नाग, आदि उपसम्प्रदाय हैं।

54. (D) भारत में वैष्णववाद की वृद्धि के प्रमाण मध्य प्रदेश के विदिशा जिले में स्थित 'हेलियोडोरस स्तम्भ' से प्राप्त होते हैं। इसका निर्माण 110 ईसा पूर्व हेलियोडोरस ने कराया था और वह इन्डो-ग्रीक शासक राजा अंतिलसीदास का शुंग शासक भागभद्र के दरबार में भेजा गया दूत था। यह स्तम्भ साँची के स्तूप से केवल 5 मील की दूरी पर स्थित है।

55. (A) वाराणसी काशी महाजनपद की राजधानी थी।

- इसे हिन्दू धर्म में सर्वाधिक पवित्र नगरों में से एक माना जाता है इसे अविमुक्त क्षेत्र कहा जाता है। वाराणसी का नाम वरुणा और असी नदियों के नाम पर पड़ा।
- कौशल की प्रथम राजधानी अयोध्या और द्वितीय राजधानी श्रावस्ती थी।
- मगध की प्राचीन राजधानी राजगृह थी।
- वत्स/वंश महाजनपद इस जनपद की राजधानी कौशांबी थी।

56. (B) हाथियों का सर्वप्रथम युद्ध में उपयोग मगध राज्य ने किया था।

- भारतीय साहित्य यह जानकारी देते हैं कि वैदिक काल के बाद युद्ध में हाथी का इस्तेमाल किया गया था।
- मगध के राजा के पास 20,000 घुड़सवार सेना, 200,000 पैदल सेना, 2,000 रथ और 3,000 हाथी सेना शामिल थी।
- उत्तर भारत के चक्रीय राज्यों के युद्ध को एकजुट करने में मगध राज्य की सफलता, हाथी युद्ध की सफलता पर निर्भर थी।

57. (D) विश्व का सबसे पुराना गणतन्त्र वैशाली था, जो भारत के बिहार राज्य में स्थित है। वैशाली महाजनपद एक प्राचीन गणराज्य था, जो लगभग 6वीं से 5वीं सदी ईसा पूर्व के दौरान विकसित हुआ था।

- वैशाली गणराज्य में, लोगों को सभी निर्णयों में भाग लेने का अधिकार था और वे स्वतन्त्र रूप से अपने नेताओं का चयन कर सकते थे। इस गणतन्त्र व्यवस्था में, लोगों की समानता को बढ़ावा दिया जाता था और सभी लोगों को समान अधिकार दिए जाते थे।

58. (A) अंग महाजनपद की राजधानी चम्पा थी, स्मरण रहे कि संसद महाजनपदों का उल्लेख बौद्ध ग्रन्थ अगुन्तर निकाय में हुआ था अजातशत्रु के समय अंग को मगध में मिला लिया गया था।

59. (C) मगध की प्रथम राजधानी राजगृह थी। मगध का पहला शासक हर्यक वंश का बिम्बसार था, मगध की दूसरी और स्थाई राजधानी पाटलिपुत्र थी, जो वर्तमान पटना है।

60. (C) उदायिन ने पाटलिपुत्र को सर्वप्रथम अपनी राजधानी बनाई। यह पाटलिपुत्र का संस्थापक अजातशत्रु का पुत्र और उत्तरधिकारी था।

61. (C) प्राचीन मगध की राजधानी गिरिव्रज थी, जिसे हर्यक वंश के शासक बिम्बिसार ने बनाया था।

- बिम्बिसार के पुत्र अजातशत्रु ने मगध साम्राज्य की राजधानी पाटलिपुत्र को बनाया।
- मगध प्राचीन भारत के 16 महाजनपद में से एक था। आधुनिक पटना तथा गया जिला इसमें शामिल थे गिरिव्रज के बाद इसकी राजधानी पाटलिपुत्र बनी थी।

62. (A) ऐसा कहा जाता है कि मगध के शासक अजातशत्रु ने वज्जि को हराने के लिए बुद्ध की सलाह लेने के लिए वस्सकार नाम के अपने मंत्री को भेजा था।

63. (B) उज्जैन शहर को पहले अवंतिका के नाम से जाना जाता था। यह छठवीं शताब्दी ई.पू. के सोहल महाजनपदों में से एक था। जिसका शासक चण्डप्रद्योत था। उज्जैन मंदिरों की नगरी है। यह मध्य प्रदेश का शहर है।

64. (B)

- वस्सकार ने वज्जि पर प्रस्तावित हमले के बारे में सलाह लेने के लिए बुद्ध से मुलाकात की। वस्सकार अजातशत्रु का प्रधानमंत्री था। वज्जि प्राचीन भारत के 16 महाजनपदों में से एक था। यह महाजनपद मगध के उत्तर में स्थित था। इसकी राजधानी वैशाली थी। वज्जि संघ आठ कुलों के संयोजन से बना था, इनमें चार (विदेह, ज्ञातृक, वज्जि और लिच्छवि) कुल प्रमुख थे। इसकी राजधानी वैशाली थी।

65. (C)

- छठी शताब्दी ईसा पूर्व से बाद तक पंच–चिह्नित सिक्के (पंच मार्क) ताम्र धातु से बने थे।
- पंच चिह्नित सिक्का भारत में एक प्रकार का आदिम सिक्का है।
- पंच चिह्नित सिक्के का वजन मानक होता था लेकिन आकार में अनियमित होते थे।
- उस काल के सिक्कों को पुराण, कर्षापण कहा जाता था।

66. (B)

- वैशाली वज्जि महाजनपद की राजधानी थी।
- वज्जि शब्द का शाब्दिक अर्थ पशुपालन समुदाय है।
- वज्जि आठ राज्यों का संघ था।
- वज्जि संघ में वैशाली के लिच्छवी, मिथिला के विदेह और कुण्डग्राम के ज्ञात्रक प्रमुख गणसंघ थे।
- वज्जि और मगध की सीमा रेखा का निर्धारण गंगा नदी द्वारा होता था।

67. (B) सिकन्दर की मृत्यु के बाद चन्द्रगुप्त मौर्य द्वारा पराजित हुए सिकन्दर के सेनापति का नाम सेल्यूकस निकेटर था। सेल्यूकस निकेटर सिकन्दर की मृत्यु के बाद सिकन्दर द्वारा विजित भारतीय क्षेत्रों का शासक बना था। सेल्यूकस सिकन्दर के सबसे योग्य सेनापतियों में से एक था जो उसकी मृत्यु के बाद उसका उत्तराधिकारी बना।

68. (A) सम्राट अशोक के पिता बिन्दुसार थे।

- इन्होंने निग्रोध नामक बौद्ध भिक्षुक से बौद्ध धर्म की दीक्षा ग्रहण की थी।
- बिन्दुसार को अमित्रघात कहा जाता है। अर्थात् शत्रुओं का नाश करने वाला।
- चन्द्रगुप्त मौर्य भारत के महान सम्राट थे। इन्होंने मौर्य साम्राज्य की स्थापना की थी।
- कुणाल सम्राट अशोक तथा रानी पद्मावती के सुपुत्र थे।
- सुसीम मौर्य शासक बिन्दुसार का ज्येष्ठ पुत्र तथा अशोक का सौतेला भाई था।

69. (C) मौर्य साम्राज्य का प्रथम शासक चन्द्रगुप्त मौर्य था। मौर्य साम्राज्य एक प्राचीन भारतीय साम्राज्य था, जो सत्ता के शिखर पर 4 से 2 शताब्दी ईसा पूर्व के दौरान था।

- चन्द्रगुप्त मौर्य का जन्म लगभग 340 ईसा पूर्व में हुआ था। उन्होंने अपनी सेना की मदद से मगध साम्राज्य के अन्तिम शासन धनानन्द को हराया और सत्ता पर कब्जा कर लिया था।

70. (A) श्रीनगर की स्थापना मौर्य शासक अशोक ने की थी।

- मुगल शासक जहाँगीर ने श्रीनगर में शालीमार बाग बनवाया था।
- जिसका उल्लेख कश्मीरी कवि व लेखक कल्हण की पुस्तक राजतरंगिणी में मिलता है।
- श्रीनगर झेलम नदी के किनारे अवस्थित है।

71. (D) मौर्य साम्राज्य का अंतिम शासक बृहद्रथ था। उसके सेनापति पुष्यमित्र शुंग ने उसकी हत्या कर शुंग वंश की स्थापना की।

72. (B) अशोक बिन्दुसार के पुत्र थे, बिन्दुसार को अमित्रघात भी कहा जाता है। एवं चन्द्रगुप्त मौर्य के पौत्र थे। अशोक मौर्य वंश के महानतम शासक थे।

- सम्राट अशोक को इतिहास में बौद्ध धर्म के संरक्षण देने एवं अभिलेख उत्कार्ण करवाने की शुरूआत के लिए जाना जाता है।

73. (B) अशोक के अभिलेख और ब्राह्मी लिपि को जेम्स प्रिंसेप ने 1837 ई. में खोजा था।
- अशोक, मौर्य वंश के स्थापक चन्द्रगुप्त मौर्य का पौत्र एवं बिन्दुसार का पुत्र था। जिसने अभिलेखों/शिलालेखों के माध्यम से अपनी प्रजा को सम्बोधित किया था।

74. (B) सारनाथ मौर्य स्तंभ शिलालेख भारत के सुदूर पूर्वी भाग में स्थित है। अशोक पहला भारतीय शासक था जिसने शिलालेखों, स्तम्भलेखों के माध्यम से अपनी जनता को सम्बोधित किया था और उन पर राजाज्ञाएँ जारी की थीं।

75. (C) मौर्य साम्राज्य के पूर्वी भारतीय प्रांत की राजधानी तोसलि में थी। मौर्य साम्राज्य की राजधानी पाटलिपुत्र थी। इसके अतिरिक्त साम्राज्य को प्रशासन के लिए चार और प्रांतों में बाँटा गया था। दक्षिणी भाग की राजधानी सुवर्णगिरी थी।

76. (A) अशोक के साम्राज्य के उत्तर पश्चिमी शिलालेख खरोष्ठी लिपि में लिखे गए थे। पूर्वी क्षेत्रों में ब्राह्मी लिपि का प्रयोग हुआ है और पश्चिमी क्षेत्रों के शिलालेख में भाषा संस्कृत से मिलती– जुलती, खरोष्ठी लिपि का प्रयोग किया गया है।

77. (A) कलिंग का युद्ध राजा अशोक द्वारा लड़ा गया पहला और अन्तिम युद्ध था, राजा अशोक के शासन के 8वें वर्ष में कलिंग का युद्ध शुरू हुआ। कलिंग वर्तमान ओडिशा है, कलिंग युद्ध एक भयावह घटना थी जिसका उल्लेख शिलाराजाज्ञा में किया गया है, इस युद्ध में लगभग 1.5 लाख लोग घायल हुये जबकि कई हजार लोग मारे गये, इस युद्ध के बाद राजा अशोक का हृदय परिवर्तन हुआ तथा उन्होंने धर्म व शान्ति के मार्ग को आगे बढ़ाया।

78. (D) अशोक ने अपने शिलालेख में उल्लेख किया है कि उसने राजा बनने के आठ वर्ष बाद कलिंग पर विजय प्राप्त की थी। 261 ई. पू. में कलिंग विजय की जानकारी हमें खारवेल के हाथी गुम्फा अभिलेख से मिलती है।
- 1837 में जेम्स प्रिंसेफ के द्वारा अशोक के शिलालेखों को पहली बार पढ़ा गया था। अशोक के शिलालेख तीन भाषाओं में मिलते हैं जो प्राकृत, अरमाइक और ग्रीक भाषाओं में हैं। सर्वाधिक शिलालेख प्राकृत भाषा में लिखे हुये मिले हैं।
- अशोक, के XIII वें शिलालेख से भी कलिंग युद्ध की जानकारी मिलती है।
- युद्ध में नरसंहार को देखकर अशोक द्रवित हो उठा और युद्ध की नीति छोड़कर धम्म की नीति अपना ली।

79. (B)
- ब्रहद्रथ मौर्य साम्राज्य का अंतिम राजा था। जिसकी हत्या कर उसके सेनापति पुष्यमित्र शुंग ने शुंग वंश की स्थापना की थी। मौर्य साम्राज्य की स्थापना आचार्य चाणक्य की सहायता से चन्द्रगुप्त मौर्य द्वारा की गयी थी।

80. (D) कश्मीर में चतुर्थ बौद्ध परिषद् का आयोजन कनिष्क के द्वारा किया गया था।
इस आयोजन की अध्यक्षता वसुमिता ने की थी, जबकि उपाध्यक्ष अश्वघोष थे।

81. (A) राजा रूद्रदमन शक वंश से संबंधित थे। यह शक वंश का सबसे योग्य शासक था। इसके विशुद्ध संस्कृत में लिखे गिरनार अभिलेख को ऐतिहासिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जाता है।

82. (D) गौतमी पुत्र शातकर्णी, सातवाहन राजवंश का शासक था।
गौतमी पुत्र के समय तथा उसकी विजयों के बारे में हमें उसकी माता गौतमी बाल श्री के नासिक शिलालेखों से महत्वपूर्ण जानकारी मिलती है।

83. (C)
- अंतिम मौर्य सम्राट ब्रहद्रथ की हत्या पुष्यमित्र शुंग द्वारा की गई।
- पुष्यमित्र शुंग साम्राज्य के संस्थापक थे।
- इससे पहले वे मौर्य साम्राज्य में प्रधान सेनापति थे।
- पतंजलि के महाभाष्य और पाणिनी की अष्टाध्यायी के अनुसार पुष्यमित्र शुंग भारद्वाज गोत्र का ब्राह्मण था, जिसने कई अश्वमेध यज्ञों का आयोजन किया था।

84. (D)
- शुंग वंश की स्थापना पुष्यमित्र शुंग ने की थी, जो अंतिम मौर्य शासक बृहद्रथ के अधीन मौर्य साम्राज्य के सेनापति थे।
- पुष्यमित्र शुंग ने बृहद्रथ की हत्या की और शुंग वंश की स्थापना की, जिसने लगभग 185 ईसा पूर्व से 73 ईसा पूर्व तक उत्तरी और मध्य भारत पर शासन किया।

85. (A)
- मथुरा शहर कुषाण साम्राज्य के दौरान कुषाणों की दूसरी राजधानी के रूप में उभरा कुषाणों की पहली राजधानी पुरुषपुर (पेशावर) थी।
- कुषाण वंश की स्थापना कुजुल कडफिसेस–1 ने की।
- इन्हें सूची जनजाति की पाँच शाखाओं में से एक माना जाता है, जोकि मध्य एशिया के चीनी सीमान्त प्रदेश में रहते थे।
- इस वंश का सबसे महान शासक कनिष्क को माना जाता है। इसे द्वितीय अशोक कहा जाता है। और इसके समय मथुरा कला व गांधार कला का विकास हुआ।

86. (D)
- कुषाण राजवंश ने मौर्योत्तर काल में रेशम मार्ग को नियंत्रित किया गया था।
- कुषाण वंश की स्थापना कुजुल कडफिसस द्वारा की गई थी।
- कुजुल ने धर्मशक्ति व महाराजाधिराज की उपाधि धारण की थी।
- कुषाण वंश का सबसे प्रतापी शसक कनिष्क था।
- कनिष्क प्रथम को अपने युग का द्वितीय अशोक कहा जाता है।

87. (A) नालंदा विश्वविद्यालय की स्थापना कुमार गुप्त प्रथम ने की थी।
- नालंदा बिहार में प्राचीन मगध में एक प्रसिद्ध बौद्ध मठवासी विश्वविद्यालय था। इसकी स्थापना 5वीं शताब्दी ई. में हुई थी।
- नालंदा की स्थापना गुप्त साम्राज्य युग के दौरान हुई थी।
- 1193 में नालंदा विश्वविद्यालय को एक तुर्की बख्तियार खिलजी ने नष्ट कर दिया था।
- हर्ष के शासनकाल के दौरान आये चीनी तीर्थयात्री ह्वेनत्सांग ने नालंदा विश्वविद्यालय का उल्लेख किया है।

88. (C) गुप्तवंश का संस्थापक श्रीगुप्त को माना जाता है। यद्यपि गुप्तवंश का वास्तविक संस्थापक चन्द्रगुप्त प्रथम को माना जाता है।
- चन्द्रगुप्त प्रथम ने ही गुप्तकाल में पहली बार चाँदी की मुद्राओं को जारी किया था।

89. (D) गुप्तकाल में समुद्रगुप्त को भारत का नेपोलियन कहा जाता है स्मरण रहे कि इतिहासकार वी.ए. स्मिथ ने गुप्त शासक समुद्रगुप्त को 'भारत का नेपोलियन' कहा है।
- समुद्रगुप्त स्वयं विद्वान और विद्वानों का संरक्षक था। वह प्रवीण वीणा वादक था।
- समुद्रगुप्त के दरबारी कवि हरिषेण ने प्रयाग–प्रशस्ति अभिलेख की रचना की थी।

90. (A) गुप्तकाल में सोने की मुद्रा को दीनार कहा जाता था।
- गुप्तकाल में चाँदी के सिक्के को रूपक कहा जाता था।

- गुप्तकाल में ताँबे के सिक्के को कर्षापण कहा जाता था।
- गुप्त शासकों ने सर्वाधिक मात्रा में सोने के सिक्के जारी किये थे।

91. (C) चीनी यात्री फाह्यान ने भारत की यात्रा गुप्त शासक चन्द्रगुप्त द्वितीय के शासन काल में की। वह 402 ई. में भारत पहुँचा था। यद्यपि उसने अपनी यात्रा का आरम्भ 399 ई. में किया था।
- चन्द्रगुप्त द्वितीय को 'विक्रमादित्य' के नाम से भी जाना जाता है।
- चन्द्रगुप्त विक्रमादित्य के समय को भारत का स्वर्ण युग कहा जात है।
- चन्द्रगुप्त विक्रमादित्य ने गुप्त सम्वत् की शुरुआत की थी।

92. (D) कुतुबमीनार परिसर में जंगरोधी धातु के संयोजन से बने लोहे के खंभे की स्थापना भी चन्द्रगुप्त द्वितीय ने की थी। चन्द्रगुप्त द्वितीय गुप्त राजवंश के राजा थे, चन्द्रगुप्त द्वितीय महान् जिनको चन्द्रगुप्त विक्रमादित्य के नाम से जाना जाता है, इनका राज्य 375-414 ई. तक चला जिसमें गुप्त राजवंश ने अपना शिखर प्राप्त किया था।

93. (D) महाराजाधिराज की उपाधि धारण करने वाला गुप्त वंश का पहला शासक चंद्रगुप्त प्रथम था। गुप्तों का आधिपत्य आरम्भ में दक्षिण–बिहार तथा उत्तर पश्चिम बंगाल पर था। चन्द्रगुप्त प्रथम ने समुद्रगुप्त को अपना उत्तराधिकारी नियुक्त किया।

94. (B) गुप्त शासक समुद्रगुप्त को अपने सिक्कों पर वीणा वाद्य यंत्र बजाते हुए दिखाया गया है।
समुद्रगुप्त, चन्द्रगुप्त प्रथम का पुत्र था। इसे भारत का नेपोलियन भी कहा जाता है।

95. (C)
- समुद्रगुप्त को उसकी सैन्य उपलब्धियों के कारण भारत का नेपोलियन कहा जाता था उसकी उपाधि धारावंिध की अर्थात् सम्पूर्ण पृथ्वी का विजेता थी। समुद्रगुप्त महान शासक था, यह वीणा बजाने का भी शौकीन था, समुद्रगुप्त प्रसन्न होने पर कुबेर और रुष्ट होने पर यमराज के समान था। समुद्रगुप्त को उसकी मुद्राओं पर उत्कीर्ण विलेख के अनुसार उसे 100 युद्धों का विजेता कहा गया।

96. (D) हर्षवर्धन के शासनकाल में ह्वेनसाग भारत आया था।
- यह एक प्रसिद्ध चीनी बौद्ध भिक्षु था। इसे तीर्थयात्रियों का राजकुमार कहा गया। इसने भारत के सदंर्भ में 'सी–यू–की' ग्रंथ की रचना की।
- वह भारत में 15 वर्षों तक रहा।
- मेगस्थनीज यूनान का एक राजदूत था जो चन्द्रगुप्त मौर्य के दरबार में आया था।
- चंगेज खान एक मंगोल शासक था।
- फाह्यान एक बौद्ध चीनी यात्री था जो चन्द्रगुप्त द्वितीय के समय भारत आया और भारत के सन्दर्भ में 'फु–को–की' पुस्तक की रचना की।

97. (C) चीनी यात्री ह्वेनसांग ने नालंदा विश्वविद्यालय में अध्ययन किया था। चीनी यात्री ह्वेनसांग हर्षवर्द्धन के शासनकाल में भारत आया था। यह भारत में 15 वर्षों तक रहा।
- ह्वेनसांग बौद्ध धर्म से अधिक प्रभावित था।
- ह्वेनसांग ने अपनी यात्रा विवरण सी–यू–की नामक पुस्तक में लिखी।

98. (A) बाणभट्ट सातवीं शताब्दी के संस्कृत गद्य लेखक और कवि थे। वह राजा हर्षवर्धन के दरबारी कवि थे। उनके दो प्रमुख ग्रंथ हैं—हर्षचरितम तथा कादम्बरी।

99. (A) पुष्यभूति वंश के राजा हषवर्धन ने नर्मदा नदी पार करके दम्मन की ओर बढ़ने की कोशिश की तो चालुक्य वंश के शासक पुलकेशिन द्वितीय के बीच युद्ध हुआ जिसमें पुलकेशिन विजयी हुआ। इस विजय के बाद पुलकेशिन ने परमेश्वर की उपाधि धारण की थी।
समुद्रगुप्त का संबंध गुप्त वंश से था। गुप्तों के समय ही भारत में स्वर्ण युग की शुरुआत हुई थी।

100. (A) प्रश्नगत राज्यों में दक्षिण भारत का प्रमुख राजवंश चोल वंश था।
- चोल वंश की स्थापना विजयालय ने की।
- विजयालय आरंभ में पल्लवों का सामंत था।
- चोल वंश का शक्तिशाली राजा राजराज I तथा राजेन्द्र चोल था।
- चोल शासकों ने 9वीं से 13वीं शताब्दी के बीच शक्तिशाली हिन्दू साम्राज्य का निर्माण किया।

101. (D) पल्लव शासक नंदिवर्मन द्वितीय ने कांची में स्थित वैकुंठ-पेरुमल मंदिर बनाया था। यह मंदिर हिंदू भगवान विष्णु को समर्पित है।
- इस इमारत को धरोहर स्मारक के रूप में घोषित किया गया है और यह भारत के पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा प्रशासित और नियंत्रित है।
- महेन्द्रवर्मन प्रथम आरम्भिक पल्लव शासकों में एक थे। वे आरम्भ में जैन धर्म के अनुयायी थे पर बाद में उन्होंने शैव ध र्म अपना लिया था।
- महाबलीपुरम के रथ मंदिरों का निर्माण नरसिंह वर्मन प्रथम ने करवाया था।

102. (D) घटिका पल्लव काल की शैक्षिक संस्था थी यद्यपि इससे पूर्व सातवाहन काल के दौरान भी शैक्षणिक संस्थानों को घटिका कहा जाता था।
- पल्लव राजवंश, चौथी शताब्दी से 9वीं शताब्दी तक दक्षिणी भारत में शासकों की एक श्रृंखला है।
- विजयालय चोल वंश का संस्थापक था। विजयालय ने पांड्यों और पल्लवों के बीच युद्ध का लाभ उठाकर चोल राजवंश की स्थापना की।
- देश के दक्षिणी भाग के तीन मुख्य वंशों में से एक, पांड्य राजवंश दक्षिण भारत में एक प्राचीन तमिल राज्य था जो संगम युग के दौरान विकसित हुआ था।

103. (D) चोल प्रशासन में प्रान्तों को मंडलम (मण्डल) कहा जाता था जिसका प्रशासन राजघराने से सम्बन्धित व्यक्ति देखते थे और इनके प्रमुख को मंडलेश्वर कहा जाता था।
- प्राचीन काल में चोलों की राजधानी उरैयूर थी फिर बाद में तंजौर या तंजावुर कर दी।
- उत्तरमेरुर के अभिलेख, चोलों के राजवंश से सम्बन्धित हैं।
- चोल काल के दौरान व्यापारियों के संघों को नगरम के रूप में जाना जाता था। कूदता हुआ बाघ चोल राज्य का प्रतीक था।
- चोल कला का सांस्कृतिक सार तांडव नृत्य मुद्रा में नटराज की मूर्ति है।

104. (A) हम्पी 'विजयनगर साम्राज्य' की राजधानी थी।
- विजयनगर साम्राज्य मध्यकालीन हिन्दू राज्य हुआ करता था।
- यह कर्नाटक की तुंगभद्रा नदी के किनारे बसा हुआ है।
- सन् 1336 में हरिहर और बुक्का नामक दो भाइयों ने मिलकर विजयनगर की स्थापना की थी।
- ₹50 के नोट पर हम्पी के रथ को जगह दी गई है।

105. (B) चोल शासकों की राजधानी तंजौर थी।
- विजयालय (848-8771 ई.) को चोल साम्राज्य का संस्थापक माना जाता है, इसने नौवीं शताब्दी में इस साम्राज्य की स्थापना की।

- विजयालय पल्लव शासकों का सामंत था। इसने तंजौर (तंजावुर) पर अधिकार कर अपनी नई राजधानी बनायी, पहले उरैयूर इनकी राजधानी थी।
- तंजौर को जीतने के उपलक्ष्य में विजयालय ने 'नरकेसरी' की उपाधि ध ारण की थी। चोलेश्वर नामक एक भव्य मंदिर का निर्माण भी विजयालय ने ही कराया था।
- चोल शासक पहले शासक थे जिनकी अपनी नौ-सैना थी तथा इनका राजकीय चिन्ह तीन–धनुष और वृत में दो मछली थीं।

106. (C) चोल वंश की स्थापना विजयालय ने की थी।
- राजराज प्रथम चोल वंश का महानतम शासक था।
- चोल वंश का अंतिम शासक राजेन्द्र चोल तृतीय था।
- चोल वंश ने सर्वप्रथम भारतीय इतिहास में स्थानीय स्वशासन की नींव रखी।
- आरम्भ में चोल वंश की राजधानी उरैयुर थी, जो बाद में तंजावुर बनी।

107. (A) जैन संस्थाओं को दान की गई भूमि का चौल शिलालेखों में पाल्लिच्छंदम के रूप में वर्णन किया गया है।

108. (A)
- मदुरै शहर पांड्यों की राजधानी था।
- पांड्य शब्द की व्युत्पत्ति तमिल शब्द "पंडी" से हुई है जिसका अर्थ है बैल। बैल को पुरुषत्व और वीरता का प्रतीक माना जाता है।
- संगम साहित्य में पांड्य का अर्थ है 'पुराना देश।'
- पांड्यों के ताँबे के सिक्कों में मछली के प्रतीक के अलावा चोल की खड़ी आकृति या मछली से जुड़े चालुक्य निशान भी शामिल थे।
- पांड्यों के सिक्कों को 'कोडंदरमन' और कांची पलंगुम पेरूमल कहा जाता था।
- पांड्य राजवंश दक्षिण भारत का प्राचीन भारत का एक राजवंश था। इसने भारत में 560 से 1300 ई. तक राज किया।
- मीनाक्षी और सुदंरेश्वर शिव के प्राचीन मंदिर मदुरै में स्थित है।

109. (B) चोल अभिलेखों के अनुसार विद्यालयों के रखरखाव के लिए भूमि को शालाभोग कहा जाता था। तमिलनाडु में शासन करने वाले चोलों के शिलालेख में उल्लेखित है कि उनके राज्य में विद्यालयों के रखरखाव के लिये दान की गई भूमि को शालाभोग कहा जाता था, इस भूमि से प्राप्त आय को स्कूलों की मरम्मत एवं रखरखाव आदि पर व्यय किया जाता था।

110. (A) रविकीर्ति ने पुलिकेशन II चालुक्य शासक की प्रशस्ति की रचना की थी। जिसे एहील प्रशस्ति के नाम से जाना जाता है। रविक. ीर्ति पुलिकेशन II का दरबारी कवि था, पुलिकेशन II चालुक्य वंश का सबसे प्रसिद्ध शासक था, जिसने कन्नोज के शासक हर्षवर्धन को पराजित किया था।

111. (B) 'त्रिपक्षीय संघर्ष' कन्नौज के ऊपर नियन्त्रण को लेकर लड़ा गया था। तत्कालीन समय में गंगा–यमुना दोआब में भूमि में स्थित भारत की सर्वाधिक उर्वर भूमि का प्रतिनिधि ात्व करता था तथा भारत का हृदय स्थल था।
- तीन राजवंशों के बीच कन्नौज पर नियंत्रण के लिए हुए संघर्ष को भारतीय इतिहास में त्रिपक्षीय संघर्ष के रूप जाना जाता है जिनमें कन्नौज के लिए दोनों धर्मपाल, पाल राजा और प्रतिहार राजा, वस्तराज एक दूसरे के खिलाफ भिड़ गए।
- प्रतिहार राजा वत्सराज विजयी हुआ। लेकिन उसे राष्ट्रकूट राजा ध्रुव प्रथम से हार का सामना करना पड़ा फिर भी अन्ततः प्रतिहार कन्नौज पर अधिकार करने में सफल रहे।

112. (D) नागभट्ट प्रतिहार राजा था। नागभट्ट प्रतिहारों की भीनमाल (जालौर) एवं उज्जैन शाखा का संस्थापक था। नागभट्ट प्रथम ने साम्राज्य विस्तार करते हुए मंडौर पर अधिकार किया था तथा उज्जैन/अवन्ति को अपनी दूसरी राजधानी बनाया था। इसके दरबार को नागावलोक कहा जाता है। नागभट्ट ने अरबों के सेनापति जुनैद को पराजित किया। नागभट्ट को मलेच्छों का नाशक; नारायण का अवतार कहा गया।

113. (A) पाल शासक धर्मपाल में विक्रमशिला विश्वविद्यालय की स्थापना की। यह बौद्ध शिक्षा का प्रमुख केन्द्र था। विक्रमशिला विश्वविद्यालय बिहार के भागलपुर में स्थापित किया गया था। इसे 13वीं शताब्दी में मुस्लिम आक्रांता बख्तियार खिलजी द्वारा नष्ट कर दिया गया था।

114. (D) भारत के कश्मीर क्षेत्र में 10 वीं शताब्दी के अंत में दिद्दा नामक महिला शासक का शासन था।

115. (C) बिल्हण, ग्यारहवीं शताब्दी के कश्मीर के प्रसिद्ध कवि थे जिनकी रचना, चौरपंचाशिका प्रसिद्ध है। उनकी दूसरी प्रसिद्ध रचना विक्रमांकदेवचरित है, जो इतिहास ग्रन्थ है। बिल्हण के विक्रमांकदेवचरित में कल्याणी के चालुक्य राजा विक्रमादित्य पंचम् (1076-1127) के पराक्रमों का वृतांत है।

116. (C) पाणिनि ने संस्कृत व्याकरण की रचना की है।
- इस रचना का नमा 'अष्टधायी' है, जिसमें आठ अध्याय और लगभग चार सहस्र सूत्र हैं।
- पाणिनि का जन्म 700 ईसा पूर्व उत्तर–पश्चिम भारत के गांधार प्रांत के शालतुर गाँव में हुआ था।
- यह रचना भाषा की ध्वन्यात्मकता, वाक्य विन्यास और व्याकरण को गहराई से समझती है।

117. (A) हेरोडोटस इतिहासकार थे। इनका जन्म 484 में पर्शियन साम्राज्य में हुआ। इन्हें इतिहास के जनक के रूप में जाना जाता है।
- हेरोडेटस यूनान के इतिहासकार एवं भूगोलवेत्ता थे।
- उसने अपने इतिहास का विषय पेलोपोनेसियन युद्ध को बनाया था।

118. (A) सभा के संगठन के विषय में जानकारी उत्तरमेरूर के अभिलेखों से मिलती है। ये अभिलेख दक्षिण भारत के महान चोल शासकों ने उत्कीर्ण करवाए थे।
- उत्तमेरूर से प्राप्त लेखों के आधार पर हम ग्राम की कार्यकारिणी समितियों की कार्य प्रणाली का विस्तृत विवरण प्राप्त करते हैं।

119. (B) प्राचीन विक्रमशिला विश्वविद्यालय भागलपुर में अवस्थित था। इसकी स्थापना पाल वंश के शासक धर्मपाल द्वारा आठवीं–नौवीं शताब्दी में की गई थी।
- यह विश्वविद्यालय बौद्ध शिक्षा का केन्द्र था।
- बख्तियार खिलजी ने इस विश्व-विद्यालय को नष्ट कर दिया।

120. (A) प्राचीन काल में ह्वेनसांग नामक चीनी यात्री नालंदा विश्वविद्यालय में पढ़ने एवं पढ़ाने आए थे।
- ह्वेनसांग (अन्य नाम यूवान चांग, शाक्य मुनि, यात्रियों का राजकुमार) हर्षवर्द्धन के शासनकाल में भारत आया था।
- ह्वेनसांग ने हर्ष को 'शिलादित्य' कहा था।
- ह्वेनसांग की पुस्तक का नाम सी-यू-की था वह भारत में 15 वर्षों तक रहा।

121. (C) प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय में प्रवेश हेतु द्वारपंडित द्वारा परीक्षा ली जाती थी, जिसे 'उपद्या परीक्षा' कहते थे।
- कुमारगुप्त प्रथम ने 450 ई. में इसकी स्थापना की। यह बिहार राज्य में नालंदा जिले के राजगीर में स्थित है।

- नालंदा विश्वविद्यालय बौद्ध शिक्षा का केन्द्र था, जिसकी स्थापना गुप्त वंश के शासक कुमारगुप्त–प्रथम ने पाँचवीं सदी में की थी।

122. (D) नालंदा विश्वविद्यालय में, कोरिया, चीन, तिब्बत से छात्र पढ़ने आते थे। नालंदा विश्वविद्यालय बौद्ध धर्म के महायान शाखा का अध्ययन केन्द्र था। यहाँ दक्षिण–पूर्व एशिया के विद्यार्थी बौद्ध धर्म से संबंधित शिक्षा प्राप्त करने के लिए आते थे।
- इस विश्वविद्यालय का निर्माण गुप्त शासक कुमार ने करवाया था।

123. (C) विश्व का प्रथम आवासीय विश्वविद्यालय नालंदा विश्वविद्यालय है। नालंदा विश्व-विद्यालय बिहार के नालंदा में स्थित है। इस विश्वविद्यालय का निर्माण गुप्त शासक कुमार गुप्त ने करवाया था। 13वीं शताब्दी में मुस्लिम आक्रांता बख्तियार खिलजी ने इसे नष्ट कर दिया था।

124. (A) जैन विद्वान मेरुतुंग ने 1304 ई. में 'प्रबंध चिंतामणि' का संकलन किया था। यह संस्कृत भाषा में लिखी गई है तथा 14वीं शताब्दी के भारत का सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि की जानकारी देता है।

125. (D) सिंधु घाटी सभ्यता मिस्र, मेसोपोटामिया, भारत और चीन की चार सबसे बड़ी प्राचीन नगरीय सभ्यताओं से भी अधिक उन्नत थी। इसे हड़प्पा सभ्यता के नाम से भी जाना जाता है। यह दक्षिण एशिया के पश्चिमी भाग में फैली हुई थी।

126. (B) आर्यभट्ट प्राचीन भारत के एक महान गणितज्ञ थे। इन्होंने आर्यभट्टीय ग्रंथ की रचना की जिसमें इन्होंने अपना जन्मस्थान कुसुमपुर और जन्मकाल शक संवत् 398 लिखा है। वर्तमान बिहार राज्य की राजधानी पटना का प्राचीन नाम कुसुमपुर था।

127. (D) 'सत्यमेव जयते' को राष्ट्रपटल पर लाने और उसका प्रचार करने में मदन मोहन मालवीय (विशेषतः कांग्रेस के सभापति के रूप में उनके द्वितीय कार्यकाल (1918) में) की महत्वपूर्ण भूमिका रही।'सत्यमेव जयते' भारत का राष्ट्रीय आदर्श वाक्य है। इसका अर्थ है–सत्य ही जीतता है/सत्य की ही जीत होती है। यह भारत के राष्ट्रीय प्रतीक के नीचे देवनागरी लिपि में अंकित है। यह प्रतीक उत्तर भारतीय राज्य उत्तर प्रदेश में वाराणसी के निकट सारनाथ में 250 ई.पू. में सम्राट अशोक द्वारा बनवाये गए सिंह स्तम्भ के शिखर से लिया गया है, लेकिन उसमें यह आदर्श वाक्य नहीं है। 'सत्यमेव जयते' मूलतः मुण्डक–उपनिषद का सर्वज्ञात मंत्र 3.1.6 है। पूर्ण मंत्र इस प्रकार है–

सत्यमेव जयते नानृतम सत्येन पंथा विततो देवयानः।

येनाक्रमंत्यृषयो ह्याप्तकामो यत्र तत् सत्यस्यपरमम् निधानम्, अर्थात् अंततः सत्य की ही जय होती है न कि असत्य की।

128. (C) धार्मिक किताब भगवद्गीता वेद व्यास द्वारा लिखी गई, भगवद्गीता का दूसरा नाम गीतोपनिषद् है, गीता में 18 अध्याय और 700 श्लोक है गीता–संस्कृत साहित्य काल में ही नहीं अपितु सम्पूर्ण विश्व का अमूल्य ग्रन्थ है, यह भगवान श्री कृष्ण के मुखार– बिन्द से निकली दिव्यवाणी है।

129. (C)
- मौर्य साम्राज्य पहला अखिल भारतीय साम्राज्य था, जिसके शासन क्षेत्र में अधिकांश वर्तमान भारतीय उपमहाद्वीप आते थे।
- यह चन्द्रगुप्त मौर्य द्वारा स्थापित किया गया था, जो 325-185 ईसा पूर्व के दौरान भारतीय उपमहाद्वीप में अस्तित्व में था।
- गुप्त साम्राज्य की स्थापना श्री चन्द्रगुप्त द्वारा 920 ईसवी में की गयी थी।

130. (A) तटीय प्रदेश ओडिशा का प्राचीन नाम कलिंग था।
- 261 ई.पू. में अशोक ने कलिंग पर आक्रमण किया था।
- कलिंग का शासक खारबेल जैन धर्म का पोषक था।
- असोम का पुराना नाम कामरूप था।

131. (B) मिस्र के रोसेट्टा नाम के कस्बे में एक उत्कीर्णित पत्थर मिला है। निम्नलिखित में से यूनानी भाषा उस पर उत्कीर्णित है–
- इस पत्थर पर लिखा गया पाठ तीन प्रकार की लिपियों में लिखा गया है।
- प्रथम लिपि हिरोग्लिफ है जो एक प्राचीन मिस्रीय लिपि है।
- दूसरी लिपि देवनागरी की तरह होती है जो देववाणी लिपि कहलाती है।
- तीसरी लिपि यूनानी है जो ग्रीक लिपि होती है।
- यह पत्थर 1799 ईसा पूर्व में फ्रांसीसी सैनिक नेपोलियन के साथ भारत के अंग्रेजी आक्रमण के दौरान मिला था।

132. (B) ईसा मसीह के जन्म के पूर्व की सभी तिथियों की गणना पश्चगामी रूप में की जाती है।
- ईसा मसीह के जन्म से पहले के समय को ईसा–पूर्व कहा जाता है। जैसे–महात्मा बुद्ध का जन्म 563 ई. पू. में हुआ यानी ईसा मसीह के जन्म से 563 वर्ष पूर्व महात्मा बुद्ध का जन्म हुआ था।
- ईसा मसीह की जन्म तिथि से आरंभ हुआ सन् ईस्वी सन् कहलाता है।

133. (A) यदि आपको प्राचीन भारतीय इतिहास पढ़ाना प्रारम्भ करना है तो शिलालेख, हस्तलिपियाँ और गुफा चित्रकारी को प्रयुक्त करना उचित होगा, क्योंकि लघु चित्रकारी के लिए अधिक दक्ष और ज्ञान से समृद्ध बच्चे होने चाहिए।

134. (C) सबसे पुरानी पांडुलिपियाँ ताड़पत्रों पर लिखी गयी थीं, क्योंकि प्राचीन काल में कागज का आविष्कार नहीं हुआ था।

135. (B) हैलियोग्राफी से तात्पर्य किसी सन्त की जीवनी लेखन से है। हैलियोग्राफी, आत्मकथा या इतिहास के उस अपमान–जनक सदर्भों के लिये प्रयोग की जाती है जिसके लेखकों के बारे में अनुभव किया है कि वे आलोचनात्मक या अपने विषयों के प्रति अनुकरणीय है।

136. (A) ऐसे स्थान जहाँ अतीत के स्मृति शेष/अवशेष मिलते हैं, ऐतिहासिक स्थल कहलाते हैं। जैसे–हड़प्पा, मोहनजोदड़ो आदि।

137. (A) बी.सी.ई. का पूरा नाम बिफोर कॉमन एरा है तथा इसे बिफोर क्रिश्चन ऐरा भी कहा जाता है। इसे बी.सी. के स्थान पर उपयोग में लाया जाता है। बी.सी. का पूर्ण रूप बिफोर क्राइस्ट है। ग्रेगोरियन कैलेण्डर में ईस्वी (ई.) ईसा मसीह के जन्म के बाद के वर्षों को दर्शाता है और ईसा पूर्व (ई.पू.) उनके जन्म से पूर्व के वर्षों को दर्शाता है।

138. (B) सन् 2012 को ए. डी. 2012 के रूप में भी लिखा जा सकता है। ज्ञात हो कि ए. डी. का पूर्ण रूप एनो डॉमिनी (Anno Domini) होता है।

139. (B) मैन्यू स्क्रिप्ट लैटिन भाषा से प्राप्त हुआ है। जिसमें मैन्यू शब्द का अर्थ हाथ/हस्त है।

140. (A) ब्रह्मगिरि महापाषाण युगीन स्थल है। यह स्थल कर्नाटक राज्य के चित्रदुर्ग जिले में स्थित है। यहाँ से महापाषाण स्मारकों की एक शृंखला प्राप्त हुई है साथ ही यहाँ से मौर्य शासक अशोक का एक शिलालेख भी प्राप्त हुआ। एक किवंदती के अनुसार यह स्थान महर्षि गौतम और उनकी पत्नी अहिल्या यहाँ निवास करते थे।

141. (D) इनामगाँव सिन्धु घाटी सभ्यता स्थल पर वयस्क लोगों को प्रायः गड्ढे में सीधा लिटाकर दफनाया जाता था तथा उनका सिर उत्तर की ओर होता था। इनामगाँव महाराष्ट्र, पश्चिमी भारत में स्थित एक हड़प्पा पुरातात्विक स्थल है। यह जोरवे संस्कृति का भी प्रमुख केन्द्र था। घोड नदी के दाहिने किनारे पर स्थित है, इसे भीमा घाटी का क्षेत्रीय केन्द्र माना जाता है।

142. (C) बुर्जहोम, श्री नगर का पुरातात्विक महत्व वाला कश्मीर का प्रमुख ऐतिहासिक स्थल है। यहाँ पर कई प्रकार के भूमिगत गड्ढे पाये जाते हैं। इन गड्ढों को छप्परों से ढ़क कर उनमें रहते थे। बुर्जहोम में खाना पकाने के लिये चूल्हों के चिह्न झोपड़ियों के अन्दर व बाहर दोनों तरफ मिले हैं।

143. (C) भीमबेटका भारत के मध्य प्रदेश प्रान्त के रायसेन जिले में स्थित एक पुरापाषाणिक आवासीय पुरास्थल है। यह आदिमानव द्वारा बनाये गये शैलचित्रों और शैलाश्रयों के लिये प्रसिद्ध है। राजगृहा भारत के बिहार राज्य के नालंडा जिले में स्थित एक ऐतिहासिक नगर है। इनामगाँव, महाराष्ट्र, पश्चिमी भारत में स्थित हड़प्पा के बाद का कृषि प्रधान गाँव और पुरातात्विक स्थल है। ब्रह्मगिरि कर्नाटक के कोडगु जिले में स्थित एक ऐतिहासिक महत्व का महत्वपूर्ण स्थल है तथा यहाँ एक अभयारण्य है।

144. (C) सही मिलान निम्नवत् है :

- **कुरनूल (आंध्र प्रदेश):** भस्म अवशेष (इससे पुरामानवों द्वारा आग के प्रयोग का प्रमाण मिलता है)
- भीमबेटका **(मध्य प्रदेश):** गुफाएँ तथा कंदराएँ (यहाँ से पुरापाषाण कालीन शैलचित्र मिले हैं)
- हुन्सगी **(कर्नाटक):** आवास तथा उद्योग स्थल (यहाँ पाए जाने वाले अधिकांश उपकरण स्थानीय रूप से पाये जाने वाले चूना पत्थर से बने थे। इस स्थल पर लगभग 15,000 पत्थर के औजार मिले हैं। इस साइट को भारत में सबसे पुराना और तमिलनाडु में पल्लवरम से भी पुराना कहा जाता है।)
- पटने **(महाराष्ट्र):** शुतुरमुर्ग के अंडे (शुतुरमुर्ग के अंडे के छिलके के जीवाश्म के टुकड़े के डीएनए विश्लेषण के आधार पर, भारतीय शोधकर्ताओं ने पहली बार 25,000 साल पहले भारत में इन पक्षियों की उपस्थिति की पुष्टि करने के लिए आणविक सबूत पाए हैं।)

145. (C) 19वीं सदी में कश्मीर के बकरवाल आदिवासी समूह मुख्यतः बकरियों का पालन करता था। आज भी बकरवाल जनजाति समुदाय बकरी पालन करता है, जिसका उद्देश्य माँस के लिए तथा विशेष प्रकार की बकरियों जैसे पस्मीना से उत्तम कोटि का ऊन प्राप्त करने के लिए करता है। इसके साथ ही बकरवाल समूह चीन और पाकिस्तान की गतिविधियों की जानकारी भारतीय सेना को समय–समय पर देता रहता है। स्मरण रहे कि कारगिल की चोटियों पर पाकिस्तानी कब्जे की जानकारी बकरवाल आदिवासियों द्वारा ही दी गयी थी।

146. (C) इण्डस शब्द को संस्कृत में सिन्धु कहा जाता है। इस शब्द का का प्रयोग सबसे पहले यूनानियों ने सिन्धु नदी और उसके आस. पास के क्षेत्र के लिए किया था, पश्चात्वर्ती समय में भारत के लिए यह शब्द सम्पूर्ण यूरोप में प्रचलित हो गया।

147. (A) आधुनिक भारत की ज्यादातर लिपियाँ ब्राह्मी से उत्पन्न हुयी हैं। ब्राह्मी दुनिया की प्राचीनतम लिपियों में से एक है। जो बाएँ से दाएँ लिखी जाती हैं। प्राचीन भारतीय संस्कृत ग्रन्थों की लिपि ब्राह्मी ही थी। पश्चातवर्ती समय में ब्राह्मी से ही बांग्ला, तमिल, देवनागरी लिपियों का जन्म हुआ है। भारत में प्रयोग किये जाने वाली लिपियों में केवल दो उर्दू खरोष्ठी से उत्पन्न हुयी हैं, जबकि गुरुमुखी सिख गुरुओं के समय स्वतन्त्र रूप से विकसित हुयी है।

148. (D) धौलावीरा और लोथल हड़प्पा कालीन नगर गुजरात में स्थित है। धौलावीरा हड़प्पा कालीन स्थलों में भारत में स्थित सबसे बड़ी बस्तियों में से एक है, जबकि लोथल हड़प्पा सभ्यता के सबसे महत्वपूर्ण स्थलों में से एक था, जहाँ से चावल गोदीवाड़ा आदि के साक्ष्य प्राप्त हुए हैं। यह एक बन्दरगाह नगर था।

149. (C) भारतीय उपमहाद्वीप के प्राचीनतम नगरों पर परियोजना कार्य करने की योजना बनाते समय आप छात्रों को सिंधु–घाटी क्षेत्र की जानकारी प्राप्त करने के लिए कहेंगे, क्योंकि सिन्धु सभ्यता अपने विशिष्ट नगर नियोजन के लिए जानी जाती थी। यह विश्व की प्राचीनतम सभ्यताओं में से एक थी जिसका समय लगभग 2500 ई. पू. से 1750 ई. पू. के बीच माना जाता है।

150. (A) गुजरात में हड़प्पा नगरों की सर्वाधिक संख्या है। इनमें लोथल, धौलावीरा आदि प्रमुख हैं।

151. (D) चिरांद एक नवपाषाणकालीन, चालको–लिथिक तथा लौहयुगीन बस्ती हैं जो भारत में बिहार के पूर्वी गंगा घाटी में स्थित है। यहाँ चावल, मूँग, मसूर, मटर की खेती की जाती है।

राखीगढ़ी (हरियाणा), सोत्काकोह (बलूचिस्तान) तथा गंवेरी कला (पाकिस्तान) हड़प्पाकालीन स्थल हैं।

152. (A) ऋग्वेद मूल रूप से संस्कृत भाषा में लिखा गया। जबकि प्रश्नगत अन्य भाषाओं में जैन ग्रन्थ प्राकृत भाषा में तथा बौद्ध ग्रन्थ पाली और संस्कृत में लिखे गये थे।

153. (A) पुरु, यदु तथा भरत का वेदों में उल्लेख जन की तरह हुआ है। वैदिक काल में समाज कबीलों में विभाजित था जिन्हें जन कहा जाता था। भरत कबीले का प्रसिद्ध राजा सुदास था।

154. (D) ऋग्वेद में अग्नि, इन्द्र, सोम प्रमुख देवता थे। वेदों की संख्या चार है ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद तथा अथर्ववेद। ऋग्वेद प्राचीनतम वेद हैं जिसमें 10 मण्डल तथा 1028 मुक्त है। इस वेद को जिस काल में लिखा गया उसे ऋग्वैदिक काल (1500 ई. पू. से 1000 ई. पू.) कहते हैं। इस काल में अग्नि, इन्द्र तथा सोम प्रमुख देवता थे।

155. (A) संस्कृत भाषा को भारत–यूरोप भाषा परिवार का हिस्सा माना जाता है। इसी कारण इसे भारोपीय भाषा भी कहते हैं। यूरोपीय भाषाओं में संस्कृत जर्मन भाषा के सर्वाधिक निकट है। यह भाषा परिवार सामान्यतः पश्चिमी तथा दक्षिणी यूरेशिया से सम्बन्धित है।

156. (D) उपनिषद् का शाब्दिक अर्थ होता है (गुरु के) पास जाकर बैठना। उपनिषदों की संख्या 108 है। वृहदोरण्यक उपनिषद सबसे बड़ा तथा छान्दोग्य उपनिषद ऐतिहासिक दृष्टिकोण से सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। भारत के राजचिह्न में लिखा गया राष्ट्रीय वाक्य ''सत्यमेव जयते'' को मुंडकोपनिषद् से लिया गया है।

157. (C) प्रश्नानुसार विकल्प (a), (b), (d), (c) अवरोही क्रम में होंगे अर्थात् ऋग्वेद की रचना सबसे पहले हुई ऋग्वेद के बाद उत्तर वैदिक काल में वर्ण व्यवस्था का उदय हुआ था तथा वर्ण व्यवस्था के विरोध में बौद्ध धर्म का उदय हुआ। इसके पश्चात् चौथी शताब्दी ईसा पूर्व के आरम्भ में मौर्य साम्राज्य का उत्थान हुआ था।

158. (D) परिवार पर कर महाजनपद के शासकों द्वारा वसूल किया जाने वाला नियमित कर नहीं है। जबकि प्रश्नगत अन्य कर प्रायः नियमित कर थे। महाजनपद, प्राचीन भारत में राज्य या प्रशासनिक इकाइयों को कहते थे। 16 महाजनपदों का उल्लेख सबसे पहले बौद्ध ग्रन्थ अगन्तर निकाय तथा जैन ग्रन्थ भगवती सूत्र में हुआ है।

159. (C) लगभग 2000 वर्ष पहले वाराणसी एक प्रसिद्ध शिल्प केंद्र था तथा यहाँ के शिल्पकारों तथा व्यापारियों के संघ को श्रेणी कहा जाता था। वाराणसी विश्व का प्राचीनतम जीवन्त नगर है।

160. (A) बिम्बिसार—छठी शताब्दी ईसा पूर्व में मगध महाजनपद के पहले शासक थे (544-492 ई.पू.)। उन्होंने हर्यक वंश की स्थापना की। अजातशत्रु बिम्बिसार का पुत्र था जो 492-460 ई.पू. तक मगध का शासक रहा प्रसेनजित कौशल नरेश था।

161. (A) महाजनपद काल में गंगा का दक्षिणी क्षेत्र मगध कहलाता था। इसकी पहली राजधानी राजगृह (राजगीर) तथा दूसरी पाटलिपुत्र थी। लिच्छवी तथा अंग महाजनपद की विजय के साथ मगध का विस्तार बंगाल व बिहार के साथ पूर्वी उत्तर प्रदेश में भी हो गया।

162. (B) विनय पिटक बौद्ध साहित्य में बौद्ध संघ के लिए बनाए गए नियमों का वर्णन मिलता है।

- त्रिपिटक एक पारंपरिक शब्द है जिसका प्रयोग विभिन्न बौद्ध धर्मग्रंथों के लिए किया जाता है।
- तीन पिटक हैं सुत्त पिटक, विनय पिटक और अभिधम्म पिटक।

1. सुत्त पिटकः—

1. इसमें बुद्ध और उनके करीबी शिष्यों से संबंधित 10 हजार से अधिक सूत्र शामिल हैं।
2. यह पहली बौद्ध संगीति से भी संबंधित है जो बुद्ध की मृत्यु के तुरंत बाद आयोजित की गई थी।
3. यह बुद्ध के उपदेश और उपदेशों का संग्रह है।

2. विनय पिटकः—

1. इसे बुक ऑफ डिसीप्लिन के नाम से भी जाना जाता है।
2. विनय पिटक की विषयवस्तु भिक्षुओं और ननों के लिए मठ वासी नियम हैं।
3. यह संघ और भिक्षुओं के शासी नियमों से संबंधित है।

3. अभिधम्म पिटकः—

1. यह बौद्ध धर्म के दर्शन और सिद्धांत से संबंधित है।

163. (A) विनय–पिटक, या "अनुशासन की टोकरी", प्रारंभिक बौद्ध ग्रंथों का संग्रह है। विनय पिटक भिक्षुओं और तपस्विनों के लिए बुद्ध के अनुशासन के नियमों को दर्ज करता है।

- इसमें पहले बौद्ध भिक्षुओं और तपस्विनों और वे कैसे रहते थे, के बारे में कहानियाँ भी शामिल हैं।
- बौद्ध कथा के अनुसार, बुद्ध के शिष्य उपाली सभी नियमों को पूरी तरह जानते थे और उन्हें याद करने के लिए प्रतिबद्ध थे। बुद्ध की मृत्यु और परिनिर्वाण के बाद, उपाली ने प्रथम बौद्ध परिषद् में एकत्रित भिक्षुओं के समक्ष बुद्ध के नियमों का पाठ किया। यह पाठ विनय पिटक का आधार बना।

164. (A) जिस तरह महासागरों में मिलने पर नदियों की अलग-अलग पहचान समाप्त हो जाती है, ठीक उसी तरह वे अपना वर्ण, श्रेणी और परिवार सब त्याग देते हैं। यह उद्धरण बौद्ध ग्रंथ से लिया गया है।

- बुद्ध के अनुयायी जब भिक्षुओं की श्रेणी में प्रवेश करते हैं तो वे अपना वर्ण, श्रेणी और परिवार सब त्याग देते हैं।
- बौद्ध ग्रंथ संस्कृत, पालि भाषाओं में लिखे गये हैं।
- बुद्ध ने अपने उपदेश पालि भाषा में दिये, जो त्रिपिटकों में संकलित हैं।
- त्रिपिटक के 3 भाग हैं— विनय पिटक, सुत्तपिटक और अभिधम्मपिटक।

165. (A) a. स्तूप – टीला

b. मण्डप – हॉल

c. शिखर – टॉवर

स्तूप ⇒ पदार्थों का ढेर या एकत्र किये गये समूह को स्तूप कहते हैं।

मण्डप ⇒ भारतीय स्थापत्यकला के सन्दर्भ में स्तम्भों पर खड़े बाहरी हाल को मण्डप कहते हैं।

शिखर ⇒ भारतीय वास्तुशास्त्र में उत्तर भारतीय मन्दिरों के गर्भगृह के ऊपर पिरामिड या टीला के आकार की संरचना को शिखर कहते हैं।

166. (B) बौद्ध धर्म लद्दाख के रास्ते तिब्बत पहुँचा। लद्दाख को "छोटा तिब्बत" भी कहा जाता है। इस क्षेत्र में चार सौ साल से भी पहले इस्लाम की शुरुआत हुई थी और यहाँ मुस्लिम आबादी काफी है। लद्दाख में गीतों और कविताओं की बहुत समृद्ध मौखिक परंपरा है। तिब्बती राष्ट्रीय महाकाव्य केसर सागा के स्थानीय संस्करणों को मुसलमानों और बौद्धों दोनों के द्वारा गाया जाता है।

167. (A) अहिंसा बौद्ध धर्म के त्रिरत्नों में शामिल नहीं है।

बौद्ध धर्म के त्रिरत्न हैं—बुद्ध, धम्म, संघ।

जैन धर्म के त्रिरत्न हैं—सम्यक् ज्ञान, सम्यक् दर्शन, सम्यक् आचरण।

168. (A) विनय पिटक बौद्ध धर्म के नियमों को अभिलेखित करता है । त्रपिटक बौद्ध धर्म का प्रमुख ग्रंथ है। 'विनय पिटक' बौद्ध धर्म के तीन त्रिपिटकों में से एक है। 'सुतपिटक तथा अभिधम्म पिटक' अन्य दो त्रिपिटक हैं। यह ग्रंथ पाली भाषा में लिखा गया है और विभिन्न भाषाओं में अनुवादित है। विनय पिटक से संबंधित नियमों का व्यवस्थित संग्रह है। इसका शाब्दिक अर्थ 'अनुशासन की टोकरी' है।

169. (D) बुद्ध ने अपना प्रथम उपदेश सारनाथ (ऋषिपतनम्) में दिया, जिसे बौद्ध ग्रंथों में धर्मचक्रप्रवर्तन कहा गया है। बुद्ध ने अपने उपदेश जनसाधारण की भाषा पाली में दिए। बुद्ध ने अपने उपदेश कौशल, वैशाली, कौशाम्बी एवं अन्य राज्यों में दिए। बुद्ध ने अपने सर्वाधिक उपदेश कोशल देश की राजधानी श्रावस्ती में दिए। ज्ञान–प्राप्ति के बाद सिद्धार्थ बुद्ध के नाम से जाने गए। वह स्थान बोधगया कहलाया।

170. (B) बौद्ध धर्म में वे लोग जिन्होंने निर्वाण प्राप्त किया हो, उनको बोधिसत्व कहा जाता है। बोधिसत्व अवस्था मनुष्य द्वारा प्राप्त की जा सकने वाली चार उत्कृष्ट अवस्थाओं में से एक है।

171. (D) बुद्ध द्वारा इच्छाओं तथा लालसाओं को तृष्णा कहा गया है। ये इच्छाएँ ही दुःखों का मुख्य कारण है। इन इच्छाओं को त्यागकर ही मोक्ष प्राप्त किया जा सकता है। महात्मा बुद्ध ने समस्त दुःखों को त्यागने के लिये अष्टांगिक मार्ग (Eight fold path) का प्रतिपादन किया था।

172. (C) जीवन कष्टों व दुःखों से भरा हुआ है और ऐसा हमारी इच्छा और लालसाओं (जो हमेशा पूरी नहीं हो सकतीं) के कारण होता है। उपर्युक्त व्याख्या गौतम बुद्ध ने दी है।

173. (A) कंधार (अफगानिस्तान) से प्राप्त अशोक के अभिलेख यूनानी तथा अरामेइक दो लिपियों में लिखे हुए हैं।

- अशोक के अभिलेख चार लिपियों ब्राह्मी, खरोष्ठी, ग्रीक और अरामेइक में पाए गए हैं। सभी अभिलेखों की भाषा प्राकृत है।
- अशोक के अधिकांश अभिलेख ब्राह्मी लिपि में लिखे गए हैं।
- अभिलेख पत्थर अथवा कठोर सतहों पर लिखी गयी पाठन सामग्री को कहते हैं। अर्थात् पत्थर पर कुल लिखना ही अभिलेख कहलाता है। अभिलेख तीन प्रकार के होते हैं (1) शिलालेख (2) स्तम्भलेख (3) गुहालेख।

174. (B) अशोक के शिलालेख देश के भीतर और बाहर जौगड़, मस्की, टोपरा, लम्पक इन जगहों पर मिले हैं।

अशोक के शिलालेखों को चतुर्दश शिलालेख कहा जाता है।

अशोक के शिलालेखों में से एक जौगड़ जो गंजाम जिला, उडीशा में है।

- मस्की - रायचूर जिला, कर्नाटक
- टोपरा - दिल्ली
- लम्पक - उत्तरी भारत
- 14 शिलालेखों के नाम— धौली, शाहबाज गढ़ी, मान सेहरा, कालसी, जौगढ़, सोपारा, एरागुडि, गिरनार, रूपनाथ, गुंजरी, भाबु, मास्की, सहसराम, महास्थान हैं।

175. (B) मौर्य वंश के उत्तराधिकारियों का सही क्रम निम्न है। मौर्य वंश की स्थापना चंद्रगुप्त मौर्य ने की थी। 1298 ईसा पूर्व उनकी मृत्यु के बाद उनका उत्तराधिकारी बिन्दुसार हुआ। बिन्दुसार के बाद उसका उत्तराधिकारी अशोक था। अशोक के पश्चात् यह पद दशरथ मौर्य को मिला।

176. (A) कक्षा में खोंड और अतपानी नागाओं पर चर्चा कर रहे हैं तो आपको मानचित्र पर झारखण्ड और नागालैण्ड राज्यों का चयन करना चाहिए जिसके माध्यम से छात्र इन राज्यों में स्थित इन जनजातियों को चिह्नित कर सकेंगे।

177. (A) अशोक के अधिकतर अभिलेख ब्राह्मी लिपि में लिखे गये। यद्यपि अशोक के अभिलेख खरोष्ठी, यूनानी, अरामाइक आदि लिपियों में भी प्राप्त हुए हैं।

178. (B) अर्थशास्त्र के अनुसार, मौर्यकाल में उत्तर–पश्चिम कम्बल के लिये प्रसिद्ध था। ज्ञात हो कि अर्थशास्त्र की रचना मौर्यवंश के संस्थापक चन्द्रगुप्त मौर्य के गुरु चाणक्य (कौटिल्य) ने की थी। अर्थशास्त्र राजनीति विज्ञान से सम्बन्धित पुस्तक है।

179. (D) भारतीय उप–महाद्वीप के प्रथम साम्राज्य पर परियोजना कार्य के लिए छात्रों को मौर्य साम्राज्य के विषय में जानकारी एकत्रित करने के लिये कहा जायेगा, क्योंकि यह पहला साम्राज्य था जिसका विस्तार भारतीय उपमहाद्वीप के वर्तमान में स्वतन्त्र राष्ट्रों में विस्तार था।

180. (A) दिव्य प्रबन्धम ग्रन्थ में पेरियअलवार, अंडाल, तोंडरडिप्पोडी अलवार और नम्माल्वार के गीतों का संकलन किया गया है। दिव्य प्रबन्ध तमिल के 4,000 पध्यों को कहते हैं। जिनकी रचना 12 आलवार सन्तों आठवीं शती के पूर्व की थी। दिव्य प्रबन्ध में नारायण या विष्णु जी की स्तुति रची गई थी।

181. (D) राष्ट्रकूट काल में शासक कृष्ण प्रथम के समय में एलोरा में गुफा संख्या 14, 15, 16 का निर्माण हुआ। एलोरा में हिन्दू बौद्व जैन तीनों धर्मो की मूर्तियाँ व भित्ति चित्र बनाये गये हैं।

❑❑